राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 316 | सोमवार 10 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

कप्तान रोहित शर्मा का अर्धशतक, भारत ने 12 साल बाद जीती चैंपियंस ट्रॉफी, न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

दुबई । दुबई के मैदान पर एक बार फिर रोहित शर्मा का बल्ला चला और भारत ने लगातार जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा। चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 251 रन बनाए और भारत ने 6 विकेट पर 254 रन बनाकर 49 वें ओवर में ही मैच जीत लिया। भारत की जीत के शिल्पकार रहे कप्तान रोहित शर्मा जिन्होंने 83 गेंद में तीन छक्के और 7 चौके की सहायता से शानदार 76 रन की पारी खेली। विराट कोहली इस बार विराट पारी नहीं खेल सके। लेकिन बाकी के बल्लेबाजों ने कमाल दिखाया। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंद में दो चौके और दो छक्के की सहायता से 48 रन के योगदान दिया। उधर अक्षर पटेल ने भी बहुमूल्य 29 रन बनाए। जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। लेकिन निचले क्रम में लोकेश राहुल ने 33 गेंद में एक चौके और एक छक्के की सहायता से 34 रन बनाकर भारत को जीत की माला पहना दी। लोकेश राहुल नाबाद रहे। हार्दिक पांड्या ने भी एक चौका और एक छक्का लगाया और 18 रन बनाकर भारत की अंतिम पंक्ति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। न्यूजीलैंड के बॉलर ने खूब कोशिश की मिचेल सेंटनर को दो विकेट मिले। माइकल ब्रेसवेल ने भी दो विकेट लिए। रचिन रवींद्र और काईल जेमीसन को एक-एक विकेट मिले। लेकिन गेंदबाजों की यह करामात भारत को जीत से नहीं रोक सकी। इससे पहले टॉस जीत कर न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी का फैसला किया।

शाहरुख, अजय, टाइगर जयपुर कंज्यूमर-कोर्ट में तलब

- विमल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन को भी नोटिस, आरोप- पान मसाले में केसर का दावा कर भ्रमित कर रहे

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और विमल कुमार अग्रवाल को जयपुर कंज्यूमर कोर्ट ने तलब किया है। विमल कुमार

अग्रवाल, विमल पान मसाला बनाने वाली कंपनी जेबी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। आरोप है कि केसर के नाम पर विमल पान मसाला खरीदने के लिए लुभाया जा रहा है, जबकि इसमें केसर है ही नहीं। केसर के नाम पर आम लोग भ्रमित हो रहे हैं। जयपुर के वकील योगेंद्र सिंह बडियाल की शिकायत पर यह नोटिस जारी किया गया है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (कंज्यूमर कोर्ट) के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने 5 मार्च को सुनवाई की थी। अगली सुनवाई की तारीख 19 मार्च की सुबह 10 बजे तय की गई है।

ममता का कत्ल

सोने नहीं देती थीं जुड़वा नवजात बेटियां, मां ने तकिए से मुंह दबाया फिर चुन्नी से घोंट दिया गला

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार में एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में मां ने अपनी ही छह महीने की जुड़वा बच्चियों की बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस ने मामले से पर्दा उठाते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में कबूल किया है कि दोनों बच्चियां रात में अक्सर रोती थीं और उसे आराम नहीं मिलता था। इसलिए उसने तकिया से मुंह दबाकर दोनों को मौत की नींद सुला दिया।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि गुरुवार को छह महीने की दो जुड़वा बहनों के मृत अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराने की सूचना मिली थी।

फैक्टरी कर्मचारी महेश सकलानी पुत्र रामदेव सकलानी निवासी ग्राम हवेली थाना चम्बा टिहरी गढ़वाल हाल निवासी धीरवाली कोतवाली ज्वालापुर ने अपनी बच्चियों की हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। बताया था कि उसकी पत्नी शुभांगी पास की ही दुकान पर दूध लेने गई थी। दोनों बच्चियां घर पर सो रही थीं। जब वापस लौटी तो दोनों बेहोशी मिली थी।

योगी ने दिल्ली में की पीएम मोदी से मुलाकात

मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष पर हुई चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, मोदी-योगी के बीच 1 घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा, सीएम ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर भी बात की। महाकुंभ में 5 फरवरी को पीएम प्रयागराज आए थे। तब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। 32 दिन बाद दोनों की फिर से मुलाकात हुई। कल सीएम योगी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी।

यूपी में भाजपा अध्यक्ष को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व पंचायत चुनाव-2026 और विधानसभा चुनाव-2027 के जातीय समीकरण के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहता है।

तेलंगाना टनल हादसा

16वें दिन एक डेडबॉडी मिली

मशीन से चिपकी हुई है, काटकर निकाला जा रहा, 7 अन्य की तलाश जारी

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को पहला शव मिला है। बॉडी मशीन में फंसी हुई है। शव निकालने के लिए मशीन को काटने का काम जारी है। 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को टनल में ले जाया गया था।

रेस्क्यू ऑफिसर ने बताया कि मशीन में फंसे शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे थे। बीते दिन राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध का पता लगाया है। पता चला है कि वहां तीन लोग मौजूद हैं।इसके बाद वहां पर जमा मलबा हटाया जा रहा था। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि शव उसी जगह मिला है या किसी अन्य जगह। बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मजदूरों की तलाश में 525 कर्मी लगे हुए हैं।राज्य के नागरकुर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को धंस गया था। इस वजह से अंदर काम कर रहे 8 मजदूर फंस गए थे। राज्य सरकार ने कहा था कि उनके बचने की संभावना बहुत हम है।

5 साल पहले चेतावनी दी थी, कोई ऐक्शन नहीं लिया गया

2020 में एमबर्ग टेक एजी नाम की कंपनी ने टनल का सर्वे किया था। कंपनी ने टनल में कुछ फॉल्ट जोन और कमजोर चट्टानों के खतरे को लेकर अलर्ट किया था। सर्वे रिपोर्ट टनल बनाने वाली कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को भी दी गई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 14 किमी लंबी

महाराष्ट्र में जीबीएस सिंड्रोम के 225 केस, 12 की मौत

179 मरीज ठीक हुए, 15 वेंटिलेटर पर; 144 वाटर सोर्स में इन्फेक्शन कंफर्म

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलैन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का पहला केस 9 जनवरी को सामने आया था। इसके अब तक 225 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। 197 में जीबीएस की पुष्टि हुई है। 179 मरीज ठीक हुए हैं। 24 का इलाज जारी है। 15 वेंटिलेटर पर हैं। कुल 12 मौतें दर्ज हुई हैं। इनमें से 6 की वजह जीबीएस और 6 की मौत का कारण संदिग्ध है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक ये सभी मामले पुणे नगर निगम, पुणे निगम के गांव, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ग्रामीण और दूसरे जिलों से हैं। इन इलाकों से 7262 पानी के नमूने केमिकल और बायोलॉजिकल

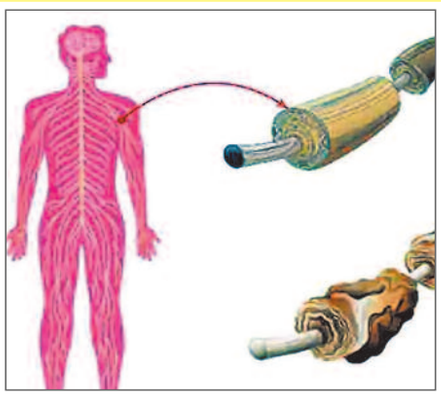

एनालिसिस के लिए लैब भेजे गए। 144 वाटर सोर्स में इन्फेक्शन की बात सामने आई हैं। प्रशासन ने इन जिलों के 89,699 घरों की दौरा भी किया है। इनमें पुणे नगर निगम में 46,534, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के 29,209 और पुणे ग्रामीण में 13,956 घर शामिल हैं। प्राइवेट क्लिनिक को एडवाइजरी जारी की गई है कि जीबीएस का कोई केस नजर आए तो सूचित करें।

इलाज महंगा, एक इंजेक्शन 20 हजार का

जीबीएस का इलाज महंगा है। डॉक्टरों के मुताबिक मरीजों को आमतौर पर इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन का कोर्स करना होता है। निजी अस्पताल में इसके एक इंजेक्शन की कीमत 20 हजार रुपए है। पुणे के अस्पताल में भर्ती 68 साल के मरीज के परिजन ने बताया कि इलाज के दौरान उनके मरीज को 13 इंजेक्शन लगाने पड़े थे। डॉक्टरों ने मुताबिक जीबीएस की चपेट में आए 80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से छुट्टी के बाद 6 महीने में बिना किसी सपोर्ट के चलने-फिरने लगते हैं। लेकिन कई मामलों में मरीज को एक साल या उससे ज्यादा समय भी लग जाता है।

रेत पर टीम इंडिया को ट्रॉफी के साथ मूर्ति बनाकर शुभकामनाएं दी

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मंदिरों में हुई हवन-पूजा

252 का लक्ष्य, रोहित ने की थी तूफानी शुरुआत, छक्के-चौके की लगाई झड़ी

बनारस (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। भारत और न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के फाइनल में 25 साल बाद सामने थीं। साल 2000 में खेले गए फाइनल में भारत को हार का सामना करना पड़ा था।

रविवार को भारत अपना बदला ले सके और फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा कर तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब नाम करे, इसके लिए देश भर में पूजा अर्चना की जा रही है। बनारस में जहां शिव मंदिर में शिवलिंग पर दूध चढ़ाया गया, वहीं कानपुर में राधा माधव मंदिर में हवन किया गया। सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने पुरी में समुद्र के किनारे रेत से टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का ट्रॉफी के साथ मूर्ति बनाकर टीम इंडिया को शुभकामना दी। वहीं भारत को ट्रॉफी जीतने के लिए मिला 252 रन का लक्ष्य मिला था। रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और छक्के और चौकों के साथ 50 रन धुन दिए थे। जबकि गिल 30 रन बनाकर आउट हो गए थे। विराट कोहली भी आउट हो गए थे। 3 विकेट पर 27ओवर में 128 रन थे।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंदिर में तोड़फोड़, हिंदू-विरोधी नारे लिखे

सात महीने पहले भी कैलिफोर्निया के मंदिर में अभद्र नारे लिखे गए थे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। ये घटना चिनो हिल्स इलाके में हुई। इसकी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई हैं, उनमें मोदी-हिंदुस्तान मुर्दाबाद जैसे स्लोगन और पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा लिखी दिखाई दे रही है।

मंदिर बनवाने वाली संस्था बीएपीएस अमेरिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी शेयर की।

सात महीने पहले सितंबर में भी कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में श्री स्वामीनारायण मंदिर में इस तरह की घटना हुई थी।

अमेरिकी हिंदू संगठन सीओएचएनए ने भी इस घटना की निंदा की है। संस्था ने कहा कि एक बार फिर हिंदू मंदिर को तोड़ा गया। यह बस एक आम दिन है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने घटना की निंदा की

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि हम स्थानीय लॉ अथॉरिटीज से अपील करते हैं कि वे आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। साथ ही पूजा की जगहों पर पर्याप्त सुरक्षा का इंतजाम करेंगे।

कर्नाटक रेपकांड का दर्द खून खौला देगा

घसीटा, डुबोया, किया हमला, भयावह चीखों में बदली म्यूजिक नाइट

कोप्पल (एजेंसी)। कर्नाटक के हम्पी के पास एक भयानक घटना घटी। इसमें दो लोगों को एक 27 साल की इजराइली पर्यटक और महिला होमस्टे होस्ट के साथ बलात्कार और एक ओड़िया पर्यटक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना गुरुवार रात को गंगावती तालुक के सनापुर झील के पास हुई। जो कि यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल हम्पी से लगभग 25 किमी दूर है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान 22 साल के मल्लेश उर्फ हैंडी मल्लेश और 21 साल के कामेश्वर राव के रूप में हुई है। दोनों गंगावती तालुक के रहने वाले हैं। कोप्पल एसपी राम एल अरसिद्दी ने कहा कि एक और संदिग्ध अभी तक फरार है, लेकिन उसके ठिकाने के बारे में हमारे पास पुख्ता सुराग हैं।

सीपीसीबी ने एनजीटी में पेश की नई रिपोर्ट

महाकुंभ में संगम का पानी नहाने लायक था...

रिपोर्ट 12 जनवरी से 22 फरवरी तक की निगरानी पर आधारित है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को अपनी नई रिपोर्ट सौंपी है। सीपीसीबी ने एनजीटी को बताया कि महाकुंभ में नदी का पानी नहाने लायक था। रिपोर्ट में सांख्यिकीय विश्लेषण का इस्तेमाल किया गया। क्योंकि अलग-अलग जगहों और समय पर पानी के नमूनों में अंतर था। इसलिए ये नमूने पूरी नदी की गुणवत्ता नहीं दिखाते थे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपनी नई रिपोर्ट राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी है। इस रिपोर्ट में प्रयागराज में हुए महाकुंभ के दौरान नदी की पानी की गुणवत्ता का आकलन किया गया है। बोर्ड की 28 फरवरी की तारीख वाली इस रिपोर्ट को 7 मार्च को एनजीटी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। बोर्ड ने 12 जनवरी से लेकर अब तक प्रति सप्ताह दो बार, जिसमें स्नान के शुभ दिन भी शामिल हैं।

रिपोर्ट में क्या है?

रिपोर्ट के मुताबिक जल में ऑक्सीजन की मात्रा या डीओ, जल में कार्बनिक पदार्थों को खंडित करने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा को मापता बीओडी, तथा सीवेज संदूषण का सूचक एफसी जल की गुणवत्ता के प्रमुख संकेतक हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक विशेषज्ञ समिति ने 'आंकड़ों में परिवर्तनशीलता' के मुद्दे की जांच की और कहा कि आंकड़ा एक विशिष्ट स्थान और समय पर जल गुणवत्ता का तत्कालिक स्थिति को दर्शाता है और यह ऊपरी धारा में मानवजनित गतिविधियों (मानव क्रियाकलापों), प्रवाह की दर, नमूने की गहराई, नमूने का समय, नदी की धारा और धाराओं का मिश्रण, नमूना स्थान और ऐसे कई अन्य कारकों के आधार पर काफी भिन्न हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'परिणामस्वरूप, ये मान उस सटीक समय और स्थान पर जल गुणवत्ता मापदंडों को दर्शाते हैं, जहां से ये जल नमूने एकत्र किए गए थे, तथा ये नदी की समग्र विशेषताओं को पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं, इसलिए, जरूरी नहीं है कि ये नदी के पूरे क्षेत्र में समग्र जल गुणवत्ता को प्रदर्शित करें।'

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी-बारिश थमी, तापमान बढ़ा

- उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और एवलांच का डर; म.प्र.-राजस्थान में दिन का पारा 30 पार

जम्मू/भोपाल/नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का दौर फिलहाल थम गया है। प्रशासन ने सड़कों पर जमीं बर्फ हटाई, जिससे रास्ते खुल सकें। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के तापमान में भी वृद्धि हुई है।

हिमाचल प्रदेश में 10 मार्च से मौसम बदलेगा। एक हफ्ते तक पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। जम्मू-कश्मीर के साथ उत्तराखंड में लैंडस्लाइड व बर्फ के पहाड़ खिसक सकते हैं। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं का असर घटने लगा है। दिन का पारा 36 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मार्च के बाद तेजी से गर्मी बढ़ेगी। बीते चार दिन में रात का पारा 6 डिग्री तक पहुंचा था।

राजस्थान में 12 मार्च तक मौसम शुष्क रहेगा। इसके बाद तापमान में 2 डिग्री तक और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। हालांकि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर के चलते बादल छा सकते है। हरियाणा में दिन का तापमान 30 डिग्री पार पहुंच गया है।

सीएम सामूहिक विवाह योजना का तीसरा चरण

गोंडा। के एक निजी पैराडाइज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत तीसरे चरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चार ब्लॉक की गरीब परिवारों की कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अधिकारी नेहा शर्मा और सदर भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस योजना के तहत कुल 744 जोड़ों ने पंजीकरण कराया था। आज 450 हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ और 39 मुस्लिम जोड़ों का निकाह इस्लामिक रीति-रिवाज से संपन्न हुआ। समाज कल्याण विभाग की ओर से सभी दुल्हनों को कपड़े, जेवरात, नगद राशि और बर्तन सहित कई सामान दिए गए। जिला अधिकारी नेहा शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, विधायक प्रतीक भूषण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा और सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा ने सभी नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर शुभकामनाएं दीं।गोंडा जिले में इस योजना के तहत कई चरणों में हजारों कन्याओं की शादी कराई जानी है। यह कार्यक्रम समाज के गरीब वर्ग की कन्याओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। वही गोंडा सदर भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने बताया कि आज यहां पर बहुत अच्छे ढंग से भव्य तरीके से कम सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां हिंदू और मुस्लिम दोनों जोड़ों की शादी यहां पर जिला प्रशासन द्वारा कराई गई है। सभी को हमने जीवन में खुशहाली को लेकर के बधाई और शुभकामनाएं दी है। एक सलाह भी हमने दी है कि पति-पत्नी के बीच जो भी बात हो तीसरा ना जाने और दोनों लोग एक दूसरे से झगड़ा ना करें।

संक्षिप्त डायरी

सपा अधिवक्ता सभा की बैठक में जिला पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा कुशीनगर जिला इकाई की बैठक जिला मुख्यालय रविन्द्र नगर घुस पर संपन्न हुई। जिसमें जिला इकाई के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किए गया। रविवार को सपा अधिवक्ता महासभा की बैठक में जिलाध्यक्ष एडवोकेट उदयभान यादव में जिला कमेटी के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें सभी अधिवक्ता अमरनाथ पटेल, ओमप्रकाश मिश्रा, विनोद गुप्ता, आब्दीन अंसारी जिलाउपाध्यक्ष, इब्राहिम मंसूरी, सुनील कुमार यादव जिला महासचिव, मनोज यादव, रंजित कन्नौजिया जिला सचिव, दिलीप चौहान, राज किशोर यादव, आकाश शर्मा, भागीरथी यादव, सत्यप्रकाश यादव, यदुवंशी गोंड मीडिया प्रभारी, मनोज विश्वकर्मा, अशोक यादव, संगठन सचिव, बृजेश सिंह, सोनू यादव जिला सूचना प्रभारी, लाल बच्चन यादव, रियासत अंसारी, धर्मेन्द्र कुमार संगठन सचिव चुने गए। जिलाध्यक्ष एडवोकेट श्री यादव ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन में अधिवक्ता सभा पीडीए पंचायत के माध्यम से पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाएगी। इस दौरान संगठन से जुड़े अधिवक्ता मौजूद रहे।

हमीरपुर राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते के तहत सात करोड़, अड़तालीस लाख, चौव्वन हजार, दौ सौ तेईस रुपये का वसूला गया राजस्व

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में दिवानी न्यायालय कैंपस में जिला जज मनोज कुमार राय, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल निर्देशन में फीता काटकर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान आये मामलों का निपटारा आपसी सुलह समझौते के तहत कराया गया। प्रधान न्यायाधीश, परिवार अदालत से कुल-17, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से कुल-49, अपर जिला, सत्र अदालत फर्स्ट से सिर्फ-1, विशेष न्यायाधीश (एस०सी०,एस०टी०) से कुल-1, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट से कुल-1, विशेष न्यायाधीश (आ०व०अधि०) से 149, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से 1438 अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से 359, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) से 10, तरुण कुमार सिविल जज (जूनियर डिवीजन) राठ 187, बृजेश कुमार पटेल सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मौदहा 227, शशांक गुप्ता, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राठ -653, इस तरह सभी अदालतों से-3099 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि राजस्व विभाग ने 6613 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि एल० डी० एम० संगम लाल मिश्रा इंडियन बैंक हमीरपुर के मुताबिक जिले के सभी बैंकों के कुल 16587 मामलों में 349 मामलों का निपटारा हुआ। इसी तरह राष्ट्रीय लोक अदालत में 10061 मामलों का निपटारा हुआ, जबकि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंको सहित राजस्व सुलह समझौते के तहत 4660000 रुपये की धनराशि हासिल हुई। इसी तरह अदालतों से निस्तारित मामलों में भी करीब 28851813 रुपये की धनराशि समझौते के तौर में हासिल हुयी। साथ ही अदालत सहित राजस्व, बैंक द्वारा 74854223 रुपये की धनराशि समझौते के तौर में हासिल हुई। इस मौके पर खासतौर से प्रधान न्यायाधीश,परिवार न्यायालय, हमीरपुर ज्ञान प्रकाश सिंह, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, हमीरपुर अरूण कुमार मल्ल, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार जयन्त, लोक अदालत के नोडल अधिकारी,विशेष न्यायाधीश (द०प्र०श्रे०), अनिल कुमार खरवार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,विशेष न्यायाधीश (एस०सी०,एस०टी० एक्ट) सुशील कुमार खरवार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, हमीरपुर, कीर्ति माला सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गीतांजलि गर्ग, अपर जिला जज विशेष न्यायाधीश (आ०व०अधि०), स्वाती, अपर जिला जज एफ०टी०सी०-प्रथम, मनोज कुमार शासन, सिविल जज (सिनियर डिवीजन) अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निहारिका जायसवाल, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वन्दना अग्रवाल, सिविल जज(जूनियर डिवीजन)एफ०टी०सी०, राठ शशांक गुप्ता, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मौदहा, हमीरपुर, ब्रजेश कुमार पटेल, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एफ०टी०सी० महिलाओं के खिलाफ अपराध शैली शरण मौजूद रहे।

महिला दिवस पर भाजपा ने समाज की अग्रणी महिलाओं को सम्मानित किया

कुशीनगर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित समाज की अग्रणी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय कुमार दूबे ने कहा कि मोदी सरकार अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनवरत कार्यरत है। नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं के महिला सशक्तीकरण का कार्य का परिमाण है कि अब महिलाएं सदन से लेकर सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति में मजबूती से अपना योगदान दे रही हैं। पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देकर नारी शक्ति अधिनियम के तहत देश की सांसद और राज्य विधानसभाओं में पहुंचने के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद आरपीएन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, सुकन्या समृद्धि, उज्ज्वला, वन स्टॉप सेंटर, नमो ड्रोन दीदी, महिला सम्मान बचत पत्र जैसी अनेकों योजनाएँ हमारी मातृशक्ति के सर्वांगीण उत्थान व उनके सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि केवल भारतीय संस्कृति और दर्शन में ही महिला को पुज्यनीय माना गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं को जो सम्मान मिला है। सम्मेलन को खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय,पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रभा पाण्डेय, डॉ ममता मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह,रंजना पासवान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शिवकुमारी देवी, सीमा गुप्ता, नूतन दूबे ने सम्बोधित किया। सम्मेलन में डॉ भावना गुप्ता, डॉ ममता मणि त्रिपाठी, पूनम पाण्डेय, कालिंदी त्रिपाठी, मीनू जिन्दल, डॉ लीला पाण्डेय, डॉ शीला चौधरी, अनिता राय, लक्ष्मी श्री मिश्रा, आशू कुशवाहा, लोकगायिका अनामिका गुप्ता, दुर्गावती कुशवाहा को अपने अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। संचालन प्रियंका पाण्डेय द्वारा किया गया।

रामायण संयुक्त परिवार के प्रेम का अनुपम उदाहरण: प्रो. गौरव तिवारी

कुशीनगर। आने वाले समय में देश को कहा ले जाना है यह हमारे युवा तय करेंगे। यह यात्रा आप बिना विश्वास, त्याग और समर्पण के तय नहीं कर सकेंगे। यह बाते राष्ट्रीय सेवा योजना, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र के मुख्यअतिथि पूर्व सांसद कुशीनगर राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू भैया ने कही। मुख्य वक्ता प्रो गौरव तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा आयोग का निर्माण इस भाव से हुआ था कि इससे निकले छात्र राष्ट्र निर्माण में नींव का कार्य करेंगे। आपने संयुक्त परिवार के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि परंपराओं और संस्कृति का निर्माण एक दिन में नहीं होता। भारतीय संस्कृति में चार प्रमुख तत्वों को महत्व दिया है। यह धर्म,अर्थ, काम और मोक्ष है। भारतीय समाज की एक प्रमुख विशेषता संयुक्त परिवार है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो रामायण संयुक्त परिवार के प्रेम का अनुपम उदाहरण है तो महाभारत पारिवारिक कलह का दूसरा प्रथम ग्रंथ है। आज परिवार को टूटने का प्रमुख आत्मकेंद्रित होकर सोचना है।अब हम सामूहिक होकर नहीं सोचते हैं यही वर्तमान की सबसे बड़ी विडंबना है। परिवार को संयुक्त रखने की सबसे बड़ी ताकत विश्वास है। जब विश्वास कम होता है तब परिवार टूटने लगता है। विशिष्ट वक्ता डॉ शंभू दयाल कुशवाहा ने बताया कि जब लोग जीविकोपार्जन के उद्देश्य से अलग अलग स्थानों पर गए तो संयुक्त परिवार टूटने लगे।यह बहुत बार अनिच्छुक परिवर्तन होता है। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि परिवार प्रत्येक सदस्य अलग अलग जगह रहते हैं। वस्तुतः संयुक्त परिवार की अवधारणा का मूल पोषण कृषि प्रधान समाज है। आपने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब संयुक्त परिवार शादी के निमंत्रण पत्र ही पढ़ने को मिलते हैं। अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंडल अध्यक्ष कुशीनगर अनिल राव ने की। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य व आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया। इस अवसर पर डॉ दिनेश तिवारी, जिपंस नीतेश यादव, प्रियेश पाठक आदि की विशेष उपस्थिति रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित हुईं नारी शक्ति

कुशीनगर। चैरिटेबल ब्लड बैंक एवं रोटरी क्लब कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम के तहत कुशीनगर इन रेस्टोरेंट में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बीपीजी कुशीनगर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. विनोद मोहन मिश्रा ने कहा, ₹महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के विकास का आधार है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी जितनी बढ़ेगी, समाज उतना ही प्रगतिशील होगा। विशिष्ट अतिथि कुशीनगर महोत्सव के संयोजक विनय राय ने अपने संबोधन में कहा कि ₹आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता की छाप छोड़ रही हैं। हमें उनके प्रयासों को और अधिक सराहनीय बनाने के लिए सहयोग और समर्थन देना चाहिए। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा, रोटरी क्लब सदैव समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। आयोजन में कुशीनगर चैरिटेबल ब्लड बैंक के संचालक राजीव तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि इसे एक सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है। संचालन मजीबुल्लाह राही ने किया। कालिंदी त्रिपाठी, डॉ. वीणा कुमारी, डॉ. ममता यादव, डॉ. नेहा कुमारी पाठक, किरण सिंह, एडवोकेट सुमन सिंह, एडवोकेट शकुन पटेल, एडवोकेट वंदना, रुचि सिंह, प्रियंका पाण्डेय, मोना सिंह, रेनू सिंह, नसरीन अख्तर, आरती दुबे, मधुलिका, कुसुम द्विवेदी, पूनम गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, शैल जयसवाल, रश्मि सिंह तोमर, निशु विश्वकर्मा, सुनीता सिंह, रजनी मिश्रा, बबीता राय, अपर्णा मिश्रा, संगीता सिंह, ममता शर्मा, रागिनी सिंह बुंदेला, अंजली खरवार, फौजिया परवीन, सुनीता तिवारी, रीना शर्मा, प्रीति, डॉ. जलीना सिंह, अंजुम आरा, कुमुद सिंह सम्मानित हुईं। इस अवसर पर सचिव अजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अंजली खरवार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, सह सचिव अखिलेश शर्मा, डॉ श्याम बिहारी जायसवाल, मीडिया प्रभारी अरुण वर्मा, गोविन्द सिंह, सत्येंद्र राय, रंजीत श्रीवास्तव सदरे आलम, विनोद वर्मा, अमरेंद्र नारायण प्रताप सिंह, गौरव मद्धेशिया, अरुण मौर्या आदिल खान उपस्थित रहे।

जुग्गौर रेगुलेटर पुल पर बड़ी लापरवाही

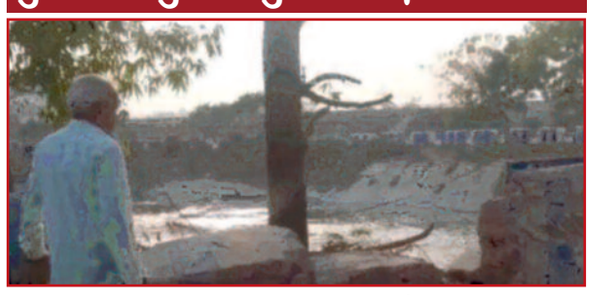

लखनऊ। के बीबीडी थाना क्षेत्र में स्थित इंदिरा नहर जुग्गौर रेगुलेटर पुल पर गंभीर समस्या सामने आई है। पुल का डिवाइडर पिछले कई महीनों से टूटा हुआ है। यह पुल एक मोड़ पर स्थित है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। टूटे डिवाइडर के कारण रात के समय दुर्घटना का खतरा और भी बढ़ जाता है। सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही विभाग जागेगा।
स्थानीय लोगों ने सिंचाई विभाग से डिवाइडर की तत्काल मरम्मत करने की मांग की है। विभाग की लापरवाही से आम जनता में रोष व्याप्त है।

कृत्रिम अंग पाकर खिले दिव्यांगों के चेहरे

गोंडा। जिले में तीन दिवसीय दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण और ट्राईसाइकिल वितरण की सुविधा दी गई। शिविर के अंतिम दिन जिलाधिकारी नेहा शर्मा और मुख्य विकास अधिकारी अंकित जैन ने कार्यक्रम का समापन किया। मारवाड़ी युवा मंच, रोटरी क्लब और विनायक चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन संभव हुआ। तीन दिनों में हजारों दिव्यांगों को कृत्रिम ह ा थ ा, प ै र , क ा ना मशीन,कैलिपर,बैसाखी,ट्राईसाइकिऔर व्हीलचेयर निःशुल्क प्रदान की गईं। डॉक्टरों की टीम ने दिव्यांगों की जांच कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरण निर्धारित किए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी दवाइयां भी वितरित की गईं। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम दिव्यांगों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को चलने-फिरने में कठिनाई होती थी, उन्हें अब कृत्रिम अंग और ट्राईसाइकिल मिलने से राहत मिलेगी। उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वहीं गोंडा मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने कार्यक्रम के समापन के दौरान कहा कि यहां गोंडा ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों से भी डॉक्टर और कर्मचारी आए थे जिनके देखरेख में या पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ है। विकलांगों को जिन भी कृत्रिम अंग और ट्राई साइकिल की आवश्यकता थी उन आवश्यकताओं को उन लोगों ने पूरा किया। उनके कार्य की जितनी भी सराहना की जाए कम है यह लोग हर वर्ष इसी तरीके से कार्यक्रम का आयोजन करके विकलांगों को एक बड़ी मदद देते हैं। वह मदद विकलांगों के लिए जीवन भर के लिए एक बड़ी सहायता बना करके सामने आती है। कार्यक्रम के समापन के दौरान डीएम और सीडीओ द्वारा विकलांगों के लिए लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया और मारवाड़ी युवा मंच के साथ रोटरी क्लब और विनायक चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी को इस आयोजन के लिए बधाई भी दी है।

हमीरपुर एआरटीओ अमिताभ राय खनिज अधिकारी विकास परमार ने मोरम के ओवरलोड बिना नम्बर,अवैध परिवहन कर रहे चालिस ट्रकों पर की बड़ी कार्यवाही माफियाओं में मचा हडकंप

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश हमीरपुर के तेज तर्रार जिलाधिकारी घनश्याम मीना के आदेश पर एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय और खनिज अधिकारी विकास परमार ने आठ और नौ मार्च को ओवरलोड, बिना नम्बर सहित अवैध परिवहन कर रहे मोरम के 40 (चालिस) ट्रकों पर की बड़ी कार्यवाही, जबकि परिवहन और खनिज विभाग की इस मिली जुली कार्यवाही से मोरम माफियाओं में मचा हडकंप। वहीं एआरटीओ अमिताभ राय और खनिज अधिकारी विकास परमार ने बताया कि हमीरपुर मुख्यालय से करीब 115 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंगरौठ मार्ग के खरवांच सहित घुटेरिया मोरम खदान मार्ग पर कांटे के करीब छुपा कर खड़े किये गये मोरम के 15 (पन्द्रह) ओवरलोड ट्रकों को पकड़ने के बाद उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने के साथ ही उन्हें चिकासी पुलिस की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है, वहीं चिकासी क्षेत्र से मोरम के 25 ट्रकों को पकड़ कर चालान की बड़ी कार्यवाही की गई है, जबकि परिवहन और खनिज विभाग की इस मिली जुली कार्यवाही से मोरम माफियाओं में हड-कंप मचा है, वहीं परिवहन और खनिज विभाग की इस कार्यवाही से शासन को भारी राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जबकि एक मार्च से सात मार्च तक मोरम के ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत एआरटीओ अमिताभ राय ने मोरम के 16 ओवरलोड ट्रकों से 12 लाख से ज्यादा का जुमार्ना वसूला गया, जबकि मोरम के चार ओवरलोड ट्रकों को पीटीओ चंदन पांडेय ने चिकासी चंडौत क्षेत्र से पड़कर 270000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया, वही मोरम के एक ओवरलोड ट्रक को खनिज टीम के साथ सीज कर कुछेछा चौकी की सुपुर्दगी में सौंपा गया, जबकि एआरटीओ आर०पी० सिंह ने मंगरौठ जिगनी चिकासी क्षेत्र से मोरम के 9 ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर 6 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया, वहीं पीटीओ चंदन पांडे ने कुरारा मार्ग से मोरम के दो ओवरलोड ट्रक पकड़ कर एक लाख रुपये से ज्यादा का जुमार्ना वसूल किया गया,जबकि चिकासी क्षेत्र से मोरम के एक ओवरलोड ट्रक को जिसका परमिट समाप्त होने के बाद भी अवैध तौर पर चलाया जा रहा था,
को सीज कर रिहुंटा चौकी की सुपुर्दगी में सौंपा गया, वहीं कुल 36 ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये हमीरपुर परिवहन विभाग ने अब तक 20 लाख रुपये से ज्यादा का जुमार्ना वसूल किया गया है।

तरबगंज में चलते ट्रक में लगी आग

गोंडा। में अयोध्या-बस्ती हाईवे पर रविवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। महेशपुर गांव के पास भारत पेट्रोल पंप के सामने एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक में बिजली का ट्रांसफॉर्मर लदा हुआ था। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ट्रक को पेट्रोल पंप से दूर रोक दिया और कूदकर अपनी जान बचाई। चालक ने कूदकर बचाई जान चालक चंदन कुमार यादव सोनीपत से जलपाईगुड़ी की ओर ट्रांसफॉर्मर लेकर जा रहा था। चलते ट्रक में अचानक धुआं उठता देख उसने तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोका। देखते ही देखते ट्रक आग की लपटों में घिर गया। घटना की सूचना मिलते ही सरयू घाट पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने बालू से लदी ट्रैक्टर-ट्राली की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद अयोध्या से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। बड़ा हादसा टला, कोई जनहानि नहीं सरयू घाट पुलिस चौकी प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, आग लगने से ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। हादसे की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह ने आज आईआईटीजीएनएल ग्रेटर नोएडा स्थित हायर इलेक्ट्रानिक्स की इन्जेक्शन मोल्डिंग प्लांट का उद्घाटन व एयरकन्डिशनिंग प्लांट का किया भूमि पूजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतमबुद्ध नगर : मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित भारत में 16 वर्षों से नंबर वन वैश्विक में प्रमुख उपकरण ब्रांड हायर अप्लायंसेज इंडिया की ए.सी. विनिर्माण का विस्तार कार्य का शिलान्यास एवं प्लांट में एक नई इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव अनुराग यादव, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी, जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा, एसीईओ ग्रेटर नोएडा वंदना त्रिपाठी, लक्ष्मी वीएस एवं प्रशासन, प्राधिकरण, पुलिस के अधिकारी गण भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा, ह्लहम ग्रेटर नोएडा में अपने विनिर्माण कार्यों के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हायर इंडिया को हार्दिक बधाई देते हैं। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में, उत्तर प्रदेश एक विनिर्माण केंद्र बनने की राह पर है और हायर की प्रतिबद्धता राज्य और अग्रणी वैश्विक निर्माताओं के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित करती है। हमें विश्वास है कि यह सुविधा राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और भारत को वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी। हम हायर इंडिया को उसके प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करते हैं। हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एन एस सतीश ने बताया भारत में अग्रणी घरेलू उपकरण निर्माताओं में से एक, यह विकास मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया पहल को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। यह उपलब्धि ह्यमेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया के प्रति हायर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, स्थानीय विनिर्माण को मजबूत करती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और देश के आर्थिक विकास को गति देती है। हायर ने इन नई सुविधाओं में महत्वपूर्ण निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। 2024-2028 के बीच हायर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश करेगा, जिससे 3,500 लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार पैदा होगा और इससे उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। ये निवेश भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार करने की हायर की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आगामी ए.सी. फैक्ट्री की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 मिलियन यूनिट होगी, जो मौजूदा 1.5 मिलियन यूनिट से बढ़कर कुल 4 मिलियन यूनिट हो जाएगी। इस बीच, इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा प्रमुख घटकों के उत्पादन को मजबूत करेगी, जिससे हायर की उत्पाद श्रेणियों में विनिर्माण दक्षता में वृद्धि होगी। हायर इंडिया द्वारा 90 उपकरणों का निर्माण स्थानीय स्तर पर किए जाने के साथ, नई सुविधाएँ आयात पर निर्भरता को कम करेंगी। साथ ही भारत और पड़ोसी बाजारों में हायर के उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए जल्द उत्पादन सुनिश्चित करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मानेसर में आयोजित हुआ वृक्षारोपण अभियान

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने ग्रामिण विकास ट्रस्ट, नोएडा और नगर निगम मानेसर के साथ मिलकर से कासन झील, मानेसर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस कॉर्पोरेट सोशल रि स्पॉन्सिबिलिटी (CSR) पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हितेश मीणा(आईएएस, अऊ, गुरुग्राम) के साथ चीफ पीपल ऑफिसर,एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड भी मौजूद रहे। इसके अलावा, आर.के. कंसल (सीईओ, जीवीटी), अजय निराला (एग्जिक्यूटिव इंजीनियर, हॉर्टिकल्चर, नगर निगम, मानेसर) सहित 100 से अधिक लोग इस आयोजन में शामिल हुए।

4.5 एकड़ में वृक्षारोपण, बेटियों का सम्मान

वृक्षारोपण अभियान 4.5 एकड़ क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कासन गांव की दो बेटियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर

इस कार्यक्रम में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड की सीएसआर पहलों पर भी प्रकाश डाला गया। हितेश मीणा ने जल निकायों के संरक्षण और सतत विकास के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में जल स्रोतों की भूमिका को रेखांकित किया।

एसबीआई कार्ड्स की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता

इस पहल के माध्यम से एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने एक बार फिर सतत विकास और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। यह पहल ग्रीन और समावेशी भविष्य के निर्माण में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) की भूमिका को सशक्त बनाती है।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स नोएडा। नोएडा के सलारपुर स्थित जेडी पब्लिक स्कूल में 9 फरवरी 2025 को जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। प्रतियोगिता में ताइक्वांडो, शतरंज और रूबीक्यू जैसे खेलों में दिल्ली, गाजियाबाद, हरियाणा, राजस्थान और एनसीआर क्षेत्र से आए सैकड़ों बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा गौतमबुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष अशोक भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ अन्य विशिष्ट अतिथियों का भी कार्यक्रम में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जेडी पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन ज्योतना सिंह और श्योदान सिंह ने अशोक भाटी सहित अन्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि अशोक भाटी ने कार्यक्रम की उत्कृष्ट तैयारियों के लिए स्कूल मैनेजर अभिषेक सिंह, कोच आर्यन सिंह और वीर सुंदर की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जीवन में बेहद जरूरी हैं। खेलों से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है, जिससे वे स्वस्थ और ऊर्जावान रहते हैं। समापन समारोह में अशोक भाटी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर झलकेश बाबूजी, सुभाष नेताजी, दानिश सैफी, जोगिंदर भड़ाना, सिंहराज गुर्जर, विपिन प्रधान, रघुराज दरोगा जी, आजाद भाटी, सुनील भाटी और निखिल चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और उमंग के साथ किया गया।

महिला सम्मान के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा महिला सम्मान एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।यह आयोजन सामुदायिक केंद्र सेक्टर-34 में सम्पन्न हुआ , जहां समाज के विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद रहे।कार्यक्रम में अतिथि के रुप में पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश महिला आयोग बिमला बाथम,तृप्ता थापर, फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा,एन पी सिंह,महेश सक्सेना,अशोक श्रीवास्तव,डा आदर्श चौहान और डा नमन शर्मा मौजूद रहे। सभी ने महिलाओं के योगदान और उनकी समाज में बढ़ती भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।इस दौरान समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सेक्टर की महिलाओं को अंग वस्त्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना समाज का संपूर्ण विकास संभव नहीं है।महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और यह समाज के लिए गर्व की बात है।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन और महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि महिलाओं का सम्मान करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक प्रगति का संकेत है। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।kकार्यक्रम के अंत में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां उपस्थित लोगों ने फूलों की होली खेलते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।इस दौरान फाग गीतों पर लोग झूम उठे।समारोह में महिलाओं के सम्मान के साथ होली के रंगों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया।महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि आगे भी समाजहित और महिला सशक्तिकरण के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। इस मौके पर अध्यक्ष के के जैन,महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा,उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी,कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज, देवेन्द्र वत्स,सुरेंद्र महाजन,डा डी महापात्रा,ओमेंद्र कुमार, दीपाली पसारी, प्रदीप सिंह,शेखर शर्मा, विकास गुलाटी, संजीव महतो,तपेश झा आदि उपस्थित रहे।

होली सनातनी समरसता का त्यौहार : राजकुमार आर्य

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दनकौर : कस्बा बिलासपुर स्थित प्रेमवती कुंजीलाल विद्यालय मे रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं ने होली मिलन का कार्यक्रम आयोजन किया । गुलाल के साथ होली खेली जिसमें संघ के जिला कार्यवाह राजकुमार आर्य ने कहा कि होली समरसता का त्यौहार है जो हिंदू समाज में सभी भेदभाव को दूर करती है और हमें जाति बंधन तोड़कर के समरसता की ओर ले जाती है हमें जातियों के आधार पर विभाजन समाप्त करना है राजकुमार आर्य ने कहा कि राष्ट्र की अवधारणा समाप्त हो गई तो देश समाप्त हो जाता है इसलिए हमें होली पर्व पर सभी लोगों के साथ उठाना बैठना ,मिलना आवश्यक है खंडकार्यवाह गौरव ने भी संबोधित किया इस दौरान नरेंद्र , सर्वेश , विकास , कुलदीप , आशुतोष , मोहित , विनोद , राजीव , संजय कुमार आदि होली का आनंद उठाया।

सैक्टर 112 में होली मिलन समारोह का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सैक्टर 112 में आर डब्ल्यू ए (किसान कोटा) द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन सैक्टर के सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। जिसमें सैक्टर के सभी निवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष रामकिशोर यादव ने सैक्टर के सभी निवासियों को चंदन का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महासचिव देवदत्त शर्मा ने सैक्टर में होने वाले आगामी चुनावों में अपने पैनल की घोषणा की और सैक्टर के निवासियों से अपने पैनल के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की।

महागुण मीडोज सोसाइटी में मनायी गयी फूलों की होली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा के सेक्टर 150 स्थित महागुण मीडोज सोसाइटी में निवासियों ने आज सुंदरकांड का पाठ किया और उसके बाद संकीर्तन किया और धूम धाम से फूलों की होली खेल कर होली महोत्सव का शुभारंभ किया।इस दौरान महिला उन्नति संस्था की पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ वंदना सिंह ने बताया कि सोसाइटी निवासियों ने पूरे उत्साह और प्रेम से हनुमान जी और कृष्ण जी के भजन गा कर पारंपरिक फूलों और गुलाल से होली खेल कर प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।इस अवसर पर निशा ,आशा ,सीमा,वर्षा , वैशाली ,दिव्या ,बबली ,रोचिका आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित हुयी डॉ.दीप्ति शर्मा

फ्यूचर लाइन टाईम्स

जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा को नोएडा के फिल्म सिटी में विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में, शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज लीडरशिप अवार्ड-2025 से अलंकृत किया गया। यह सम्मान डॉ. शर्मा के उस असाधारण नेतृत्व और शिक्षा में नवाचार के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रतीक है, जिसने प्रज्ञान पब्लिक स्कूल को उत्कृष्टता के नए शिखर पर पहुँचाया है।डॉ. दीप्ति शर्मा की दूरदर्शी सोच और अथक प्रयासों ने विद्यालय को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाया है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी एक आदर्श मंच प्रदान किया है। उनके नेतृत्व में, विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं और विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया है।इस विशेष अवसर पर, विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित अतिथियों ने डॉ. शर्मा के प्रेरणादायक व्यक्तित्व और उनके द्वारा शिक्षा में लाए गए सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना की। उन्होंने डॉ. शर्मा को न केवल एक उत्कृष्ट शिक्षाविद, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली एक सशक्त महिला के रूप में भी सराहा।डॉ. दीप्ति शर्मा को मिले इस सम्मान से प्रज्ञान पब्लिक स्कूल परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है।विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा और सभी शिक्षकों ने डॉ. शर्मा को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नोएडा पंजाबी एकता समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) परिवार द्वारा प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र मेहता के नेतृत्व एवं प्रदेश महासचिव नरेंद्र चोपड़ा तथा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता के मार्गदर्शन में सेक्टर 55, गेट नंबर 5, मेन रोड, नोएडा में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षक जसविंदर खोखर,राजन ठुकराल , एस.पी. सचदेवा एवं एस.पी. आनंद द्वारा किया गया।इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन सोनी,अतुल सहगल,के.के. अरोड़ा एवं मनोज बावेजा ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग 1500 से 1800 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।समिति ने भविष्य में भी इसी तरह के सेवा कार्यों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।इस आयोजन की सफलता में समिति के समर्पित सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें प्रमुख रूप से सुभाष जैन,सुभाष मेहता,अजय मेहता,पवन विज,राकेश खन्ना, सुमित मनचंदा,अश्विनी सदाना, बलदेव अरोड़ा,विक्की कपूर, पुनीत कपूर,अनिल खन्ना, संजीव चिब्बर,अतुल नरुला एवं रिंकी मेहता का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। सेवा कार्य में मंजू मेहता, नेहा चोपड़ा, योगिता सोनी, उर्वशी चाचरा, रितु मेहता, पूनम मेहता, खोखर, कुसुम सदाना, ज्योति अरोड़ा, नंदनी बावेजा, रेनू चिब्बर एवं संपूर्ण मातृशक्ति ने सक्रिय योगदान दिया, जिसके बिना यह कार्यक्रम संभव नहीं हो पाता। नोएडा पंजाबी एकता समिति समाज सेवा, एकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी इसी भावना से सेवा कार्य जारी रखेगी।

प्रवासी महासंघ ने धूमधाम से मनाया होली मिलन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। प्रवासी महासंघ नोयडा ने धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने किया एवं कार्यक्रम के रंगारंग कार्यक्रम में प्रवासी संघ के कलाकारों ने खूबसूरत प्रस्तुति दी।प्रवासी महासंघ के इस बार के होली मिलन के कार्यक्रम की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि इस कार्यक्रम के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए किसी भी प्रोफेशनल को न बुलाकर प्रवासी महासंघ के सदस्यों द्वारा किया गया।इसी क्रम में भोजपुरी गायक दीपक सुहाना उर्फ छोटका खेसारी, संजय कुमार द्वारा खूबसूरत प्रस्तुति दी।मंच संचालन जहां महासचिव अवधेश राय द्वारा किया गया वहीं गीत संगीत की प्रस्तुति विभिन्न सदस्यों द्वारा दी गयी।कार्यक्रम में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, नोयडा के प्रमुख उद्योगपति पीयूष द्विवेदी, संजय बाली समेत नोयडा के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।वही प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स, कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया अवधेश राय, विकास तिवारी, चितरंजन, अरुण सिंह, अनुज त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह,मिथलेश राय, अखिलेश सिंह, पंकज शर्मा, अभिनव पांडेय, अर्चना सिंह, मीनाक्षी साही, ममता पांडेय, आकाश तिवारी, मृत्युंजय तिवारी, राहुल द्विवेदी, टी पी तिवारी, रेखा पाठक, अंजनी कुमार, मधु सिंह, रितेश भारती, आनन्द राय, दिनेश ठाकुर, श्रवण तिवारी समेत प्रवासी संघ के हजारों लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारी केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी केंद्र सेक्टर 46, नोएडा ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।जिसमें नारी शक्ति के विभिन्न आयामों और समाज में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया गया।इस कार्यक्रम में शहर की गणमान्य महिलाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी लीना दीदी (इड कीर्ति) के प्रेरणादायक मुख्य संबोधन से हुयी।उन्होंने कहा कि नारी सृष्टि का आधार है, और उसका सशक्तिकरण ही समाज की सच्ची उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।ब्रह्माकुमारी संस्थान ने सदैव महिलाओं को आत्मिक जागृति और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया है।उन्होंने प्राचीन भारतीय संस्कृति में नारी के गौरवशाली स्थान का स्मरण कराते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की चुनौतियों और संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। लीना दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना से ही महिलाओं को आध्यात्मिक ज्ञान, नेतृत्व और सेवा के लिए अवसर प्रदान किए गए हैं,जिससे वे आत्म-निर्भर और सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रुप में प्रसिद्ध समाजशास्त्री और प्रोफेसर डॉ. मोनिका सूरी ने आज के समाज में महिलाओं की भूमिका" विषय पर गहन चिंतन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं, लेकिन उन्हें अभी भी अनेक सामाजिक और आर्थिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता के अवसरों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को अपनी मानसिक और भावनात्मक सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि वे चुनौतियों का सामना करते हुए संतुलित जीवन जी सकें। इस अवसर पर रेनू बहन ने महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था का मानना है कि महिलाएं समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने महिलाओं को आध्यात्मिक नेतृत्व के रूप में आगे बढ़ाया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने महिलाओं को आत्म-सशक्तिकरण और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करने का मार्ग दिखाया।ब्रह्माकुमारी संस्था में महिलाएं शीर्ष पदों पर हैं, लेकिन वे अपने निर्णय पुरुष भाइयों के साथ मिलकर लेती हैं। यह सहभागिता और सहमति के साथ नेतृत्व का एक आदर्श उदाहरण है, जो सम्मान, समानता और नम्रता पर आधारित है। महिलाओं को आध्यात्मिक माताओं और मार्गदर्शकों के रूप में देखा जाता है, जो समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देती हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था ने महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान किए हैं। 1930 के दशक में, जब महिलाओं को समाज में बहुत कम अधिकार थे, ब्रह्माकुमारी ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ाया। यह एक ऐसा समय था जब महिलाएं घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर अपने भविष्य को आकार देने की हिम्मत नहीं कर पाती थीं। ब्रह्माकुमारी ने उन्हें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया। ब्रह्माकुमारी संस्था की शिक्षाएं राजयोग के माध्यम से दी जाती हैं, जो आत्मा और परमात्मा के बीच के संबंध को समझने में मदद करती हैं। यह कोर्स आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जीवनशैली को बढ़ावा देता है। महिलाएं इस ज्ञान के माध्यम से अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं और समाज में एक महत्वपूर्ण योगदान कर रही हैं।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।जिसमें उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान ने उनके जीवन को किस प्रकार सकारात्मक रुप से प्रभावित किया है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित महिलाओं ने एक सशक्त और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लिया।उन्होंने यह भी वादा किया कि वे अपने ज्ञान और अनुभव को दूसरों के साथ साझा करेंगी।अंत में रितु बहन ने ब्रह्माकुमारी केंद्र सेक्टर 46, नोएडा की ओर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी स्वयंसेवकों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और सभी को आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में भी महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज के कल्याण के लिए कार्य करता रहेगा।

पुलिस और गोकशों के बीच मुठभेड़

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दनकौर थाना क्षेत्र में पुलिस और गोकशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। ये घटना जेपी स्पोर्ट्स सिटी के निमार्णाधीन क्लब के पास हुई। पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध आए। पुलिस ने रोकने का इशारा किया, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया। बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान फरीद के रूप में हुई है। वह ग्राम अत्ता फतेहपुर का रहने वाला है। उसके पास से .315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि फरीद पहले भी गोकशी और गैंगस्टर एक्ट में जेल जा चुका है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरार बदमाश की तलाश के लिए कॉम्बिंग की जा रही है।

लापरवाही से वाहन चलाने पर केस दर्ज

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दाएं-बाएं लहराकर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के मामले में चालक के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में केस दर्ज हुआ है। केस यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल हरदीप की शिकायत पर दर्ज हुआ है। थाने में दी शिकायत में पुलिसकर्मी ने बताया कि शनिवार को उसकी ड्यूटी सरकारी वाहन इको-2 पर थी। ड्यूटी के दौरान शिकायतकर्ता ने देखा कि एक गाड़ी का चालक वाहन को तेजी और लापरवाही से चलाते हुए उसकी तरफ आ रहा है। पुलिसकर्मी ने पीछा कर वाहन को एडवांट टावर के पास रूकवाया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम बुलंदशहर निवासी बलराज बताया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन का भविष्य?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यू.एस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में, यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया गया है, क्योंकि अमेरिका कीव को रूस के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। इस बदलाव ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं, विशेष रूप से यू.एस. निर्मित पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की उपलब्धता के बारे में, जो कीव जैसे शहरों को रूसी हमलों से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण रही हैं। यूरोपीय सहयोगियों के पास इन प्रणालियों का कोई प्रत्यक्ष विकल्प नहीं है, जिससे यूक्रेन जोखिम में पड़ सकता है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस पर नए प्रतिबंधों और टैरिफ पर विचार कर रहे हैं ताकि मास्को को शत्रुता समाप्त करने के लिए मजबूर किया जा सके। यह रणनीति प्रत्यक्ष सैन्य समर्थन से आर्थिक रणनीति में परिवर्तन को चिह्नित करती है। इन परिवर्तनों ने यू.एस.-यूक्रेन सम्बंधों पर दबाव डाला है और यूरोपीय सहयोगियों के साथ तनाव पैदा किया है, जो यूक्रेन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने पर्याप्त सैन्य खर्च पहल की घोषणा की है।

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यू.एस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने फरवरी 2022 में रूस द्वारा पूर्ण रूप से आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता के साथ महत्त्वपूर्ण रूप से सहायता की है। विभिन्न सहायता पैकेजों के माध्यम से अधिकृत कुल निधि लगभग 175 बिलियन डॉलर तक पहुँच गई है, जिसमें सैन्य सहायता के लिए काफी राशि आवंटित की गई है। हालांकि, हाल के बदलावों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, जिन्होंने रूस के साथ शांति वार्ता को प्रोत्साहित करने के प्रयास में यूक्रेन के साथ सभी सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया है। यूक्रेन की सैन्य स्थिति नाजुक बनी हुई है। चल रही सैन्य सहायता महत्त्वपूर्ण है; विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इसके बिना, यूक्रेन को युद्ध के मैदान में बड़ा नुकसान हो सकता है।

अमेरिका उन्नत हथियारों और खुफिया जानकारी का एक

महत्त्वपूर्ण स्रोत रहा है जिसने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है। यदि अमेरिकी सहायता कम हो जाती है या पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो विशेषज्ञों का मानना है कि इससे रूस की बड़ी ताकतों के खिलाफ अपनी रक्षा बनाए रखने की यूक्रेन की क्षमता में गंभीर बाधा आएगी। दूसरी ओर, यदि सहायता वर्तमान या बढ़े हुए स्तरों पर जारी रहती है, तो यह समय के साथ यूक्रेन की क्षमताओं को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है।

2022 में रूस के आक्रमण के बाद से भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने में अमेरिका और यूक्रेन के बीच सम्बंध महत्त्वपूर्ण रहे हैं। 2024 तक, अमेरिका ने यूक्रेन को 119 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता प्रदान की थी, लेकिन हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और बजट सीमाओं ने इस सहायता के भविष्य पर संदेह पैदा कर दिया है। इस अनिश्चितता का यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं और समग्र क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हाल ही में हुए आदान-प्रदान के दौरान तनाव को उजागर किया गया, जिससे अमेरिकी सैन्य और राजनयिक समर्थन की निरंतरता के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।

नियोजित राजनयिक दोपहर के भोजन को अचानक रद्द करना सद्भावना की कमी का संकेत देता है, जिससे कीव और यूरोपीय नेताओं में चिंता पैदा हो गई है। इसके अतिरिक्त, कई रिपब्लिकन राजनेताओं ने अमेरिकी सरकार की वर्तमान स्थिति का समर्थन किया है। अमेरिकी सैन्य सहायता में कमी रूस को यूक्रेन में अपनी कार्रवाइयों को तेज करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता शून्यता का लाभ उठाया जा सकता है। 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने जैसे अमेरिकी निष्क्रियता के ऐतिहासिक उदाहरणों ने पुतिन को अपने विस्तारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन को अपनी रक्षा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, जिससे क्षेत्रीय नुकसान का जोखिम हो सकता है। अमेरिकी ऋ16 लड़ाकू विमानों की अनुपस्थिति यूक्रेन की हवाई श्रेष्ठता को कम कर सकती है, जिससे युद्ध के मैदान पर गतिशीलता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका की कम उपस्थिति मास्को को बीजिंग के करीब ला सकती है, जिससे वैश्विक शक्ति सम्बंधों को नया आकार मिल सकता है।

चीन के साथ रूस के बढ़ते आर्थिक सम्बंध, विशेष रूप से ऊर्जा निर्यात में, इस भू-राजनीतिक बदलाव को दर्शाते हैं। यूरोपीय देशों को अमेरिकी वापसी से छोड़े गए शून्य को भरने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है, जिससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव पड़ सकता है। जर्मनी और यू.के. ने पहले ही अमेरिकी अनिश्चितताओं के मद्देनजर नए सैन्य समर्थन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। एक विखंडित पश्चिमी गठबंधन संघर्ष में गतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक अस्थिरता बनी रह सकती है। कोरियाई युद्ध (1950-1953) इस बात की याद दिलाता है कि कैसे अनसुलझे महाशक्ति तनाव लंबे समय तक चलने वाले जमे हुए संघर्षों को जन्म दे सकते हैं। यूक्रेन से अमेरिका की कथित वापसी नाटो की सामूहिक रक्षा रणनीति को कमजोर कर सकती है। रूस की आक्रामकता को रोकने में असमर्थता बाल्टिक राज्यों और पूर्वी यूरोप के खिलाफ भविष्य के खतरों को भड़का सकती है। इससे यूरोपीय देशों पर सैन्य बोझ बढ़ेगा, जिससे उन्हें रक्षा खर्च बढ़ाने और सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

यूरोपीय संघ की नई ▮50 बिलियन की सहायता पहल का उद्देश्य संभावित अमेरिकी वापसी के प्रभावों को कम करना है। सत्ता का शून्य रूस को पूर्वी यूरोप में नाटो के संकल्प को चुनौती देने के लिए प्रेरित कर सकता है। मोल्दोवा और बाल्टिक में रूसी हाइब्रिड युद्ध की रणनीति दर्शाती है कि मॉस्को पश्चिमी कमजोरियों का परीक्षण कैसे करता है। रूसी गैस पर निर्भर यूरोपीय देशों को नए सिरे से ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि 2022 नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन तोड़फोड़ की घटना से उजागर हुआ, जिसने ऊर्जा युद्ध के लिए यूरोप की संवेदनशीलता को उजागर किया। जवाब में, यूरोपीय देश अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एक स्वतंत्र सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की कोशिश कर सकते हैं। यूक्रेन के लिए चल रहा अमेरिकी समर्थन यूरोपीय सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता दोनों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में भाषाई सियासत

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है, यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा। जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की। हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं। व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक हाने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं। दूसरे मुंबई हिन्दी फिल्मों का गढ़ है। जो दुनिया भर में देश की पहचान ही नहीं कायम करते हैं। भाषा के झगड़े को तूल देने की जरूरत तो नहीं है मगर भैयाजी को भी अपना बयान सिर्फ इसीलिए वापस लेना पड़ा क्योंकि इससे मराठी भाषियों की भावनाएं आहत होने की आशंकाएं बढ़ रही थीं। मातृभाषाओं से प्रेम करने वाले भारतीय अपने देश की अखंडता और सहिष्णुता को भाषाई विभेद से बहुत ऊपर आंकते हैं। यही कारण है कि हम इतनी सारी बोलियों व भाषाओं को साथ लेकर चलते रहे हैं।

कटाक्ष

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

अब विश्व गुरु के आसन पर मोदी जी के इंडिया की इससे बढ़कर ताजपोशी क्या होगी? अब तो विश्व आर्थिक फोरम तक कह रहा है कि भारत नंबर वन है। और ऐसे-वैसे मामले में नहीं, इन्फार्मेशन के मामले नंबर वन है। बताइए, जिस युग को ही सूचना का युग माना जाता है, उस युग में भी सूचना के मामले में नंबर वन। न सही सिंपल इन्फार्मेशन, मिसइन्फार्मेशन और डिसइन्फार्मेशन ही सही, हुआ तो इन्फार्मेशन का ही मामला। जब बदनाम होने में नाम हुआ माना जा सकता है, तो क्या मिस या डिस इन्फार्मेशन में अक्खा वर्ल्ड में नंबर वन होने को, विश्व गुरु का ताज नहीं माना जा सकता है। और यह भी विश्व गुरु वाले ही लक्षण हैं बल्कि सार्टिफिकेट ही कहिए कि गुजर जाने के तीन सौ साल बाद भी औरंगजेब, मुंबई से लेकर लखनऊ तक, विधानसभाओं में छाया हुआ है। मुंबई में उसे न कम न ज्यादा, बस बाकी बादशाहों जैसा ही बादशाह बताने वालों को, पानी पी-पीकर कोसा ही नहीं जा रहा है बल्कि विधानसभा से सस्पेंड भी किया जा रहा है, तो लखनऊ में ऐसे लोगों को दुरुस्त करने का ठेका खोला जा रहा है। गली के खलीफा की बोली में कहा जा रहा है कि यहां भेज दो, हमें अच्छी तरह ठीक करना आता है! वाह भई औरंगजेब जीते जी तूने जो किया न किया, पर भूत बनकर भगवा सरकारों के खूब काम आ रहा है। मुंबई में मंत्रिमंडल से धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद भी, सतीश देशमुख की हत्या के मामले को दबाने के काम आ रहा है। और लखनऊ में योगी जी के इसके रहस्योद्घाटन से ध्यान हटाने के काम आ रहा है कि कुंभ में मौनी अमावस्या पर भगदड़ हुई थी, एक से ज्यादा जगह भगदड़ हुई थी, भगदड़ में मौतें हुई थीं, पर मौतें दिन भर छिपाई गई थीं, कि कहीं भगदड़ न हो जाए। औरंगजेब तू तो वाकई बड़े काम की चीज है। बस जरा मोदी जी के भी काम आकर और दिखा दे; नौजवानों के बेरोजगारी, महंगाई टाइप के गम भुला दे। विश्व गुरु का ताज तो तभी हमारा हो गया था, जब फेक न्यूज में हमें दुनिया में नंबर वन घोषित किया गया था। अब तो मिस-डिस इन्फार्मेशन में भी नंबर वन घोषित हो लिए। ताजपोशी के लिए विश्व गुरु से और कितना इंतजार कराएगी, ओ दुनिया!

पुण्य स्मरण : सावित्रीबाई फुले : देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका

हर्षवर्धन पाण्डे

शिक्षा एकमात्र ऐसा हथियार है जिससे हम अपना और राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। वैसे तो पुरातन काल में हमारे देश में पुरुषों को ही शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति दी जाती थी लेकिन सभी पुराने जंजीरों को तोड़ते हुए महिलाओं को शिक्षा देने के उद्देश्य से समाज के सामने देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का विलक्षण व्यक्तित्व सामने आता है। एक दौर में जब महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद रखा जाता था, सावित्रीबाई फुले ने समाज के रूढ़िवादी मान्यताओं को चुनौती देते हुए नारी सशक्तिकरण का बिगुल बजाया। महज नौ वर्ष की उम्र में विवाह बंधन में बंधी सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर समाज सुधार के अनेक कार्य किए। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक थीं, जिन्होंने महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया। उनके प्रयासों से शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और शैक्षणिक क्रांति की नींव पड़ी।

सावित्रीबाई फुले भारतीय समाज की एक महान शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की अग्रणी थीं। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को पुणे के नजदीक नायगांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए अपने जीवन का सम्पूर्ण समय समर्पित किया। उन्होंने न केवल महिलाओं के शिक्षा अधिकार की वकालत की, बल्कि समाज के उत्पीड़ित वर्गों के लिए भी कार्य किया। सावित्रीबाई का विवाह 9 वर्ष की उम्र में महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले से हुआ था। फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज उठाई थी। वे स्त्री शिक्षा के समर्थक थे और उन्होंने सावित्रीबाई को पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया। सावित्रीबाई ने अपनी शादी के बाद ही शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा और एक नई दिशा की ओर बढ़ी। 1 जनवरी 1848 को सावित्रीबाई और ज्योतिबा फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला। यह उस समय सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था। इस पहल का रूढ़िवादी समाज ने घोर विरोध किया। उन्हें अपमान सहना पड़ा, रास्ते में उन पर पत्थर फेंके गए और गालियां दी गईं लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। महिलाओं और दलित समुदाय को शिक्षित करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने कठोर संघर्ष किया। धीरे-धीरे फुले दंपति ने पुणे और उसके आसपास के गांवों में 18 स्कूलों की स्थापना की।

सावित्रीबाई जब पढ़ने स्कूल जाती थीं तो लोग उन्हें पत्थर, कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे। वह अपने साथ एक जोड़ी कपड़ा साथ लेकर जाती थीं और स्कूल पहुंचकर गोबर और कीचड़ से गंदे हो गए कपड़ों को बदल लेती थीं। उन्होंने हिम्मत नहीं और और हर चुनौती का सामना किया। पढ़ने के बाद उन्होंने दूसरी लड़कियों और दलितों के लिए एजुकेशन पर काम करना किया।सावित्रीबाई फुले को शिक्षा के क्षेत्र में महान योगदान देने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। 1848 में उन्होंने भारत में पहली बार महिलाओं के लिए एक स्कूल खोला। यह स्कूल पुणे के एक उपनगर में स्थित था और यहाँ पर केवल लड़कियाँ ही पढ़ने आती थीं। इस पहल ने भारतीय समाज में शिक्षा के प्रति महिलाओं के अधिकार को उजागर किया और उनके लिए शिक्षा के द्वार खोल दिए।सावित्रीबाई फुले ने अपनी शिक्षा प्रणाली में जातिवाद, धर्मवाद और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने सिखाया कि शिक्षा केवल एक व्यक्ति की क्षमता का निर्माण नहीं करती, बल्कि यह समाज को भी एक बेहतर दिशा में मार्गदर्शन देती है।

सावित्रीबाई ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कियाबल्कि उन्होंने समाज के अन्य क्षेत्रों में भी सुधार की दिशा में कई कदम उठाए। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा पुनर्विवाह जैसे कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। वे समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की और उ महिलाओं के हक में कई अभियान चलाए। सावित्रीबाई ने 1854 में सीनियर स्कूल में दलित बच्चों को भी शिक्षा देने की पहल की थी। इससे यह साबित हुआ कि उनके लिए किसी भी जाति या धर्म के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार समान था। उन्होंने यह भी सिखाया कि समाज में लैंगिक समानता और अधिकारों की स्थिति को लेकर पुरुषों और महिलाओं को एक समान दृष्टिकोण रखना चाहिए।

सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन में कई व्यक्तिगत संघर्षों का सामना किया। उनका समाज ने कई बार विरोध किया, ताने मारे और कई बार उन्हें शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित किया गया लेकिन उन्होंने इन सभी कष्टों को सहन किया और अपने कार्यों को जारी रखा। वे जीवनभर समाज की जड़ता और पितृसत्तात्मक मानसिकता से संघर्ष करती रहीं। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं और समाज के निचले वर्गों के लिए जो कार्य किए, वह अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया कि शिक्षा ही समाज के सुधार और जागरूकता का सबसे शक्तिशाली साधन है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और वे आज भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सामाजिक समानता के प्रतीक के रूप में जानी जाती हैं। सावित्रीबाई ने औरतों के हक के लिए बहुत लड़ाई लड़ी। उन्होंने सिर्फ औरतों के लिए ही नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी आवाज उठाई जिन्हें समाज में कमतर समझा जाता था। उन्होंने जाति-पाति, छुआछूत और विधवाओं के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ खड़े होकर बात की। सावित्रीबाई ने गरीबों और औरतों को पढ़ाने के लिए स्कूल खोले। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सब बराबर हैं और किसी को कम नहीं समझना चाहिए।

महाराष्ट्र में 1875 से 1877 के बीच बहुत बड़ा अकाल पड़ा था। लोगों को उस दौर में खाने-पीने की चीजें नहीं मिल पा रही थी और सभी बहुत बीमार पड़ रहे थे। सावित्रीबाई ने सत्यशोधक समाज नाम के एक समूह का नेतृत्व किया। इस समूह के लोगों ने बहुत सारे बीमार लोगों की मदद की। सत्यशोधक समाज के लोग बिना किसी पंडित या पुजारी के शादियां करवाते थे। उन्हें दहेज लेने-देने का भी विरोध था। 1896 में फिर से महाराष्ट्र में बहुत बड़ा अकाल पड़ा। इस दौरान सावित्रीबाई को पता चला कि उनके दोस्त पांडुरंग बाबाजी गायकवाड़ का बेटा बहुत बीमार है। सावित्रीबाई तुरंत उनके पास गईं और बीमार बच्चे को अपनी पीठ पर उठाकर डॉक्टर के पास ले गईं। इस दौरान खुद सावित्रीबाई भी बीमार हो गईं। उन्हें प्लेग नाम की बीमारी हो गई थी। इसी बीमारी की वजह से

10 मार्च, 1897 को सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया।

सावित्रीबाई ने कन्या हत्या को रोकने के लिए प्रभावी पहल भी की थी। उन्होंने न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने के लिए अभियान चलाया बल्कि नवजात कन्या शिशु के लिए आश्रम तक खोले। जिससे उनकी रक्षा की जा सके। सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन केवल लड़कियों को पढ़ाने और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिया। सावित्रीबाई फुले का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था लेकिन फिर भी बचपन से ही उनका लक्ष्य था कि ह्यकिसी के साथ भी कोई भेदभाव ना हो और हर किसी को बराबरी का हक मिलने का साथ पढ़ने का समान अवसर मिले। उनके विचारों की वजह से वह भारत की पहली महिला शिक्षक, कवियत्री, समाजसेविका बनी जिनका मुख्य मकसद महिलाओं का उत्थान रहा।

सावित्रीबाई फुले की यात्रा यह सिखाती है कि जब तक समाज में समानता और न्याय नहीं आता, तब तक निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। उनके द्वारा किए गए कार्यों ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में महिलाओं और उत्पीड़ित वर्गों के लिए एक नया रास्ता खोला। उनकी निडर भावना और यथास्थिति को चुनौती देने का दृढ़ संकल्प अविश्वसनीय है। हर तरह के दमन और भेदभाव के खिलाफ उनकी लड़ाई प्रशंसनीय है। फुले ने महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता का जो अमूल्य उपहार दिया उसकी बदौलत वह आज भी याद की जाती हैं । उनके जीवन ने यह साबित किया कि समर्पण, लगन और संघर्ष से समाज की हर बाधा को पार किया जा सकता है। महिला शिक्षा को लेकर उनका योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वैश्विकी: नई विश्व व्यवस्था की प्रसव पीड़ा

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरूआती करीब पचास दिनों में किये गये फैसलों और घोषणाओं से यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कायम विश्व व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। इस विश्व व्यवस्था में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का वर्चस्व था। हालांकि इस कालखंड में साम्यवादी व्यवस्था पर आधारित सोवियत संघ ने इसे चुनौती दी थी तथा दुनिया को दो ध्रुवीय माना जा रहा था। विश्व पटल पर नई शक्तियों का प्रादुर्भाव होता रहता है। साथ ही, अतीत की विरासत तथा विभिन्न संस्कृतियों के जीवन मूल्य नये सिरे से जाग्रत होते हैं।

वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को बहु-ध्रुवीय विश्व के रूप में समझा जा सकता है। इस बदलाव को अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रोकने की कोशिश की जिसके कारण दुनिया में नये संघर्ष पैदा हुए हैं। रूस के अभ्युदय को रोकने तथा चीन के बढ़ते प्रभाव पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पश्चिमी देशें ने नई राजनीतिक और सैनिक लामबंदी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस लामबंदी से अलग हटकर संघर्षों को रोकने तथा घरेलू हालात को दुरोस्त करने को प्राथमिकता दी। इसी क्रम में उन्होंने यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए साहसिक पहल की। उनके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि यूरोपीय देशइस काम में उनके साथनहीं हैं। इतना ही नहीं, वे वैचारिक और व्यावहारिक रूप से इसके खिलाफ मोचाबंदी करने पर आमादा हैं।

इस संबंध में यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रवक्ता काजा कैलास ने यह टिप्पणी की कि ह्यमुक्त विश्व' को एक नये नेता की जरूरत है। उनका तात्पर्य यह है कि अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप लोकतंत्र, मुक्त बाजार और लिबरल विचारधारा पर आधारित विश्व का नेतृत्व नहीं कर सकते। उनके इस कथन का सभी यथास्थितिवादी ताकतें समर्थन करती दिखाई देती हैं। मुक्त विश्व के नये नेता की दावेदारी में कई उम्मीदवार सामने आ रहे हैं। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर प्रमुख हैं। सबसे मुखर मैक्रों हैं जो यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का दावा पेश कर रहे हैं। हाल में उन्होंने कहा कि फ्रांस यूरोपीय देशों को परमाणु सुरक्षा कवच देने को तैयार है। उन्होंने साथ ही कहा कि यूक्रेन की सहायता के लिए फ्रांस की सेना भेजने का भी इरादा व्यक्त किया है। उनकी इन घोषणाओं से फ्रांस और रूस के बीच तनातनी शुरू हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपेक्षाकृत संयम का परिचय दिया है। व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति को ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की फटकार के बाद ब्रिटेन ने यूरोपीय देशों की बैठक आयोजित कर यूक्रेन का खुलकर समर्थन किया। जेलेंस्की को ब्रिटेन के राजा चार्ल्स से मिलने का सम्मान दिया गया। यह सारी कवायद राष्ट्रपति ट्रंप को संदेश देने के लिए की गई कि अमेरिका के बिना भी यूरोपीय देश यूक्रेन के सैनिक अभियान को जारी रख सकते हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने टकराव के रवैये को तूल देते हुए यूरोपीय देशों के सेनाध्यक्षों की बैठक भी बुलाई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति और खुफिया सूचनाएं मुहैया कराने पर रोक लगा दी है। अमेरिका की ओर से उपग्रहों के जरिये हासिल होने वाली युद्ध क्षेत्र संबंधी सूचनाओं के नहीं मिलने से रूस का मुकाबला करना असंभव हो जाएगा। यूरोपीय देश यूक्रेन को ऐसी सूचना मुहैया करने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ये सारे कदम यूक्रेन को बातचीत की मेज पर लाने के लिए उठा रहे हैं। हाल में उन्होंने कहा कि रूस शांति वार्ता के लिए तैयार है जबकि यूक्रेन का रवैया अनुकूल नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप मध्यस्थ के रूप में तटस्थ रहने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने रूस को भी चेतावनी दी है कि यदि उसने परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए यूक्रेन पर बमबारी जारी रखी तो रूस के खिलाफसख्त और व्यापक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अगले हफ्ते सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के बीच वार्ता आयोजित है। ट्रंप प्रशासन रूस के साथपहले ही संपर्क में है। अमेरिकी राजनीति में रिपब्लिकन पार्टी को युद्ध समर्थक माना जाता था लेकिन ट्रंप 'शांति के राष्ट्रपति' के रूप में उभर रहे हैं।

महिलाओं को डर के साये में नहीं रहना चाहिए: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं और पैरालिंपियन सहित सात महिलाओं को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने एक दैनिक अखबार की ओर से आयोजित एक महिला बाइक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महिला बाइक चालक सशक्तीकरण का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, ''आपने उन लोगों को गलत साबित कर दिया है जो कहते हैं कि महिलाएं कुछ चीजें नहीं कर सकतीं।'' सम्मानित होने वाली सात महिलाओं में जम्मू-कश्मीर की पहली अंतरराष्ट्रीय कार रेसर हुमैरा मुश्ताक, अर्जुन पुरस्कार विजेता पहलवान दिव्या काकरान, घरेलू हिंसा से पीड़ित और समान संघर्ष वाली महिलाओं के लिए गैर सरकारी संगठन की स्थापना करने वाली स्वीटी मेहता, मादक पदार्थों के लती लोगों के पुनर्वास के क्षेत्र में व्यापक रूप से काम करने वाली रेखा जिंदल, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को कंप्यूटर सिखाने के लिए खुद को समर्पित करने वाली नलिनी अस्थाना, पैरा एथलीट कंचन लखानी और सामाजिक कार्यकर्ता नीतू चौधरी शामिल थीं। बाइक रैली रविवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे कॉनॉट प्लेस से शुरू हुई।

गुप्ता ने कहा कि यह कार्यक्रम 2013 से हर साल आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''इससे पहले दिल्ली में एक बड़ी त्रासदी हुई थी। महिलाओं को डर में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि डर के आगे ही जीत है।'' मुख्यमंत्री ने यह भी याद किया कि वह अपने विश्वविद्यालय के दिनों में काइनेटिक स्कूटर चलाया करती थीं। उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि बाइक रैली महिलाओं के साहस का प्रदर्शन है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं।

उप राज्यपाल ने कहा, ''वास्तव में, कुछ क्षेत्रों में वे पुरुषों से आगे निकल रही हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान हमने देखा कि महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थीं।''

दिल्ली पुलिस ने विकास लगरपुरिया गिरोह के वांछित शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने विकास लगरपुरिया गिरोह के वांछित शार्पशूटर अमित (32) उर्फ मिट्ठा को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अमित हत्या के प्रयास मामले में वांछित था और उस पर कई गंभीर अपराधों में शामिल होने का आरोप है। वह रोशनपुरा, नजफगढ़ का निवासी है और उसे द्वारका सेक्टर-23 के पास से पकड़ा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया, ' अमित के पास से 0.32 बोर की देसी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए।' पुलिस के अनुसार, अमित दिल्ली-एनसीआर में लूट, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन सहित आठ से अधिक गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी वर्ष 2016 से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है और गुरुग्राम में वाहन कब्जाने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अमित अपने एक साथी के साथ नई वारदात की योजना बनाने के लिए मिलने वाला है, इसके बाद अपराध शाखा ने जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया। पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने 156 किलोग्राम गांजा बरामद किया, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 156 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 78 लाख रुपये है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू की। 24 फरवरी को राजा गार्डन पुल के पास जाल बिछाया गया। इस दौरान राजस्थान के रहने वाले विजय सिंह (43) को रोका गया और उसकी एसयूवी की तलाशी ली गई, जिसमें 75 प्लास्टिक की बोरियों में गांजा भरा हुआ था।' पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान विजय ने बताया कि वह मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले विनीत नामक व्यक्ति के लिए काम करता है और नागपुर से मादक पदार्थ खरीदता है। उसने बताया कि आरोपी का मुख्य काम दिल्ली के सोनिया विहार निवासी अमित को मादक पदार्थ की खेप पहुंचाना था। अमित को 28 फरवरी को ही गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि अमित, विनीत का करीबी रिश्तेदार था और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संभावित खरीदारों को गांजा पहुंचाता था। उसने बताया कि अमित पहले भी अपराधों में शामिल रह चुका है। वह आबकारी से संबंधित चार मामलों और बलात्कार के एक मामले में भी संलिप्त था।

दिल्ली में महिला से चार लाख के गहने ठगने के आरोप में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक वृद्ध महिला को धोखा देकर उसके चार लाख रुपये के गहने ठगने के आरोप में एक गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान प्रेम (22), राहुल (25) और पूनम (35) के रूप में हुई है। ये सभी फ्रगद्दी गैंगफ्र के सदस्य हैं। आरोपियों ने बाजार में एक वृद्ध महिला को नकली नोट दिखाकर उसे ठगने की साजिश रची। उन्होंने महिला को भरोसे में लेकर उससे चार लाख रुपये के गहने ले लिए और बदले में जाली नोट पकड़ा दिए। यह घटना 19 फरवरी को हुई। महिला को जब ठगी का पता चला तो उसने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों को पकड़ने के लिए दस किलोमीटर के इलाके में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। तीनों आरोपियों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया है और पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है कि क्या वे इस तरह की अन्य घटनाओं में भी शामिल थे? पुलिस के अनुसार, राहुल पहले भी कृष्णा नगर थाने में दर्ज ठगी के एक मामले में शामिल था।

दिल्ली में सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, 11 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गोविंदपुरी में एक सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़ कर इसके सरगना समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरोह के सरगना की पहचान अशोक कुमार उर्फ काले (55) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि काले अपने बेटे संजू और भतीजे रोहित गुलाटी की मदद से गोविंदपुरी में दो स्थानों से गिरोह चलाता था। इसने कहा कि यह गिरोह खेलों के लिए दांव लगवाता था। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चार मार्च को गोविंदपुरी में दो स्थानों पर छापेमारी की। गिरफ्तार किए गए लोग इन स्थानों पर सट्टा लगाते पाए गए। उनके पास से करीब 83,000 रुपये नकद और अन्य सामग्री जब्त की गई।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह धूप निकली और न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने तथा शाम के समय बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 187 रहा जो, 'मध्यम' श्रेणी में आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

प्रतापगढ़ के विधायक राजा भैया के खिलाफ पत्नी की शिकायत पर दिल्ली में केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिले के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में प्रतापगढ़ उप्र के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनके खिलाफ उनकी पत्नी की ओर से प्रताड़ित करने के आरोप पर यह एफआईआर 7 मार्च को दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार सफदरजंग एन्क्लेव थाने में उप्र के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ये मामला पहले से क्राइम अगेंस्ट वूमेन सेल में चल रहा था। मामला मीडिएशन सेंटर भी गया था, लेकिन इसके बाद मामला जब थाने आया तो केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रतापगढ़ के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली भानवी कुमारी सिंह ने अपने पति व विधायक रघुराज प्रताप सिंह के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपने पति पर शारीरिक और मानसिक क्रूरता का आरोप लगाते हुए आईपीसी की धारा 498ए के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। भानवी सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनके पति ने उन्हें वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

भानवी सिंह का आरोप है कि लगातार मारपीट के कारण उनके शरीर में काफी चोट आई हैं। उन्हें अपने जीवन पर खतरा महसूस होने की बात कही है। उन्होंने पहले भी राष्ट्रीय महिला आयोग और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन परिवार की शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उसे आगे नहीं बढ़ाया। अपनी शिकायत में ससुराल पक्ष और सास पर भी कई गंभीर आरोप उन्होंने लगाए। उन्होंने कहा कि पहले मैं वैवाहिक जीवन को आगे बढ़ाने और परिवार में शांति के लिए चुप हो गई। इसके बाद भी उनके ऊपर अत्याचार खत्म नहीं हुआ।

भानवी सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि 17 फरवरी 1995 में उप्र के राज परिवार में शादी के बाद से ही कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनका आरोप है कि शादी के बाद उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। ससुराल में उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों में लगा दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पति ज्यादातर समय लखनऊ में बिताते थे, जबकि वह अपने वैवाहिक घर बैती कोठी, कुंडा, प्रतापगढ़ में अकेली रहती थीं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि ससुराल में उनकी निजता का सम्मान नहीं किया गया। उनकी सास उनके वैवाहिक जीवन में दखल देती थीं और उनके पति इस पर कोई ध्यान नहीं देते थे। उन्होंने कहा कि तमाम अत्याचारों को सहने के बाद भी शांत रही। लेकिन, पिछले एक साल में उन्हें लगातार धमकी मिल रही है।उन्होंने तहरीर के साथ सुरक्षा की भी मांग की है।

नशे के कारोबारियों पर कसी जाएगी नकेल, आरकेपुरम की समस्याओं का होगा निदान: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार विकसित दिल्ली बजट पर दिल्ली के लोगो के सुझाव और अपेक्षाओं की श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली की आरकेपुरम विधानसभा के भंवर सिंह कैंप और नेपाली कैंप में रहने वाले महिलायों और लोगों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। इसके साथ ही इलाके में चल रहे नशे के कारोबार को रोकने के लिए सीएम रेखा गुप्ता ने स्थानीय पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए। पानी की उपलब्धता, नाली की सफाई, सडक़ की मरम्मत के लिए अधिकारियो को तुरंत समाधान करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज और विधायक अनिल शर्मा भी मौजूद रहे। साथ ही बस्ती की महिलाओ ने महिला समृद्धि योजना को मंजूरी के लिए दिल्ली सरकार को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि विकसित दिल्ली बजट का प्रारूप तैयार करने के लिए सरकार राजधानी दिल्ली के सभी वर्गों के साथ संवाद कर रही है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में हर नागरिक की सभी मूलभूत जरूरते पूरी हो, इसके लिए सरकार दिल्ली के छोटे से छोटे इलाको में जाकर लोगो के साथ संवाद कर रही है। उन्होंने बताया कि इलाके में शौचालय बंद होने और नशे की समस्या के बारे में महिलाओं ने अवगत कराया है। इसको लेकर हमने स्थानीय पुलिस और अधिकारी को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही नशे का कारोबार को पूरी तरीके से बंद करने के लिए दिल्ली के पुलिस कमिश्नर के साथ भी जल्द ही मीटिंग भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरी तत्परता और ईमानदारी से पूरा करेगी। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के नागरिकों का साथ उनकी समस्याओ पर चर्चा कर उनके जीवनस्तर में सुधार लाना और बजट को उन सभी वर्गों की जरूरतों के मुताबिक बनाना है।

जनजातीय समाज भारतीय संस्कृति और परंपरा का वाहक : दुर्गादास उइके

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छात्र संसद का शुभारंभ रविवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में हुआ। रविवार को जनजातीय छात्र संसद पूरे दिन चली, जिसमें देशभर के जनजातीय क्षेत्रों से आए 300 से अधिक जनजातीय छात्र सहभागी बने। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनजातीय कार्य राज्य मंत्रीदुर्गादास उइके उपस्थित रहे। इसके साथ विशेष उपस्थिति के रूप में एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी, एबीवीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष मंडावी के अलावा एबीवीपी दिल्ली प्रदेश के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा उपस्थित रहे।

जनजातीय छात्र संसद में जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं सशक्तिकरण पर मंथन किया गया। इस संसद सत्र में देशभर की 124 से अधिक जनजातियों का प्रतिनिधित्व रहा, जिसमें विशेष रूप से बैगा, सहरिया, मारिया, मोडिया जैसी अति पिछड़ी जनजातियों के छात्र भी अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर मंच पर उपस्थित हुए। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु के विभिन्न जनजातीय क्षेत्र जैसे रजौरी, छोटा नागपुर, बासवाड़ा, बस्तर, गढ़चिरौली, नंदुरबार समेत विभिन्न वनवासी क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों ने शिक्षा और सरकारी योजनाओं की उपलब्धता एवं उनके क्रियान्वयन को लेकर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में जनजातीय छात्र समुदाय की शिक्षा एवं रोजगार की स्थिति, स्वाभिमान और देश की विकास यात्रा में जनजाति समाज की भूमिका, तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में छात्रों ने यह भी चर्चा की कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, कौशल विकास कार्यक्रम जैसी योजनाएं जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी हैं और इन्हें और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

इस दौरान केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में एबीवीपी के जनजातीय कार्य द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि एबीवीपी जनजातीय समाज के उत्थान और उन्हें जागरूक करने के कार्य में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। जनजातीय समाज केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का वाहक है। हमारी प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा सामाजिक समरसता का सर्वोत्तम उदाहरण थी, जहां ज्ञान केवल सूचनाओं का संकलन नहीं, बल्कि सूक्ष्म से विराट की यात्रा का माध्यम था।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी बोली, खान-पान, रीति-रिवाज और परंपराओं पर गर्व करना चाहिए, क्योंकि हमारी संस्कृति अरण्य प्रधान संस्कृति रही है और जनजातीय समाज आज भी इस सनातन परंपरा का संवाहक बना हुआ है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन काल में आचार्य चाणक्य ने जनजातीय समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में एकजुट किया और घनानंद के अहंकार को ध्वस्त किया। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज का नेतृत्व करते हुए अपनी निर्णायक भूमिका निभाई। आगे उन्होंने कहा कि आज भी राष्ट्रविरोधी शक्तियां जनजातीय समाज को भ्रमित करने का षड्यंत्र कर रही हैं, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करें और वैचारिक मंथन एवं संघर्ष के माध्यम से हर चुनौती का सशक्त उत्तर दें।

सौरभ भारद्वाज का भाजपा पर तंज, कहा- 'होली के दिन बनेगी एक और कमेटी या गरीबों को...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के पहले दिन से ही रेखा गुप्ता सरकार पर आम आदमी पार्टी के तेवर सख्त हैं। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के बाद अब पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि बीजेपी पीएम मोदी की पहली गारंटी यानी महिला समृद्धि योजना पर अमल नहीं पाई।

उन्होंने दिल्ली सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि कम से कम होली पर बीजेपी गरीबों को फ्री सिलेंडर देने का वादा तो बीजेपी पूरा कर दे। साथ ही अपील भी की है कि बीजेपी इसके लिए कोई कमेटी ना गठित करे। दरअसल, आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'देश के प्रधानमंत्री के बयान में बहुत वजन होता है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च से पहले उनके बैंक खातों में 2500 रुपये आने शुरू हो जाएंगे। किसी के खाते में पैसे नहीं आए।'

पीएम मोदी ने दी थी जनता को तारीख

सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, 'पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं को दूसरी गारंटी 500 रुपये में सिलेंडर देने की थी। साथ ही कहा कि गरीबों को होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर मिलेगा। होली का त्योहार 5 दिन बाद है। अब होली पर बीजेपी सरकार कमेटी न बनाए। ये न कहे कि यह कमेटी तय करेगी कि किसे होली पर पैसा मिलेगा। पंजाब में हमने कभी नहीं कहा कि पहली कैबिनेट मीटिंग में ऐसा होगा या 8 मार्च को। तारीख तो प्रधानमंत्री ने दिल्ली की जनता को दे दी थी।'

दिल्ली की महिला को दिया घोखा- आतिशी

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने 9 मार्च को महिला समृद्धि योजना को लेकर कहा है कि इस मसले पर पीएम नरेंद्र मोदी की गांरटी जुमला निकला। बीजेपी की सरकार ने महिला को पैसे देने का गांरटी को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उन्होंने दिल्ली की महिला को घोखा दिया है। आप नेता आतिशी के मुताबिक पीएम मोदी ने दिल्ली की महिला को 8 मार्च 2025 का डेडलाइन दिया था।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने निशांत वत्स को 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' का अवार्ड प्रदान किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नई दिल्ली ` मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (MFI) ने पब्लिक एशिया के एडिटर एंड एंकर निशांत वत्स को 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' का प्रतिष्ठित अवार्ड प्रदान किया है। यह अवार्ड उन्हें उनकी बेहतरीन पत्रकारिता और समाज के विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए दिया गया है। निशांत वत्स की मेहनत और प्रतिबद्धता ने उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है।उनके द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण समाचारों और रिपोर्टों ने जनता को नई जानकारी दी और समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर रोशनी डाली। यह अवार्ड उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए दिया गया है। निशांत वत्स ने इस उपलब्धि को अपने सहयोगियों, परिवार और अपने दर्शकों के समर्थन का परिणाम बताया। निशांत वत्स के इस सम्मान से न केवल उनकी मेहनत को सराहा गया है, बल्कि यह अन्य युवा पत्रकारों को भी प्रेरित करेगा कि वे अपने कार्य में उत्कृष्टता और ईमानदारी बनाए रखें।

सोने की चेन झपटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, आरोपी के खिलाफ दर्ज हैं 50 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 09 मार्च (वेब वार्ता)। राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर से सोने की चेन झपटकर फरार होने वाले दो स्कूटी सवार बदमाश समेत सोने की चेन खरीदने वाले एक सुनार को बेगमपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिा है। पुलिस ने सोने की चेन समेत वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी भी बरामद कर ली है। बदमाशों के भागने की दिशा में जांच टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने आरोपितों को पकड़ा है। मुख्य आरोपितों की पहचान संजय उर्फ राजेश, शैलेंदर उर्फ सुरेंदर के रूप में हुई है। वहीं, सुनार की पहचान कृष्ण कन्हैया के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित संजय पर 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, शैलेंदर 25 से अधिक आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि तीन मार्च को बेगमपुर पुलिस थाने में झपटमारी की एक घटना की सूचना मिली थी। पीड़िता सपना ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ सेक्टर-24, रोहिणी में रहती है। घटना के दिन शाम करीब 5ः30 बजे जब वह सोम बाजार मार्केट पॉकेट-25, सेक्टर 24 में सब्जी खरीद रही थी, तभी लाल रंग की स्कूटी पर सवार दो बदमाश पीछे से आए और उसके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गए। पीड़िता के बयान के आधार पर बेगमपुर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए बेगमपुर थाना एसएचओ राजीव रंजन और एसीपीसी बेगमपुर मोहिंदर सिंह के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम में शामिल हेड कॉन्स्टेबल योगिंदर, परविंदर और कांस्टेबल खुशाल व कमल ने जांच शुरू की। जांच के दौरान, टीम ने घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र में कई सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और एक सीसीटीवी फुटेज में अपराधियों को एक महिला के गले से सोने की चेन छीनते हुए देखा गया। बदमाशों के भागने की दिशा में टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले। पुलिस को वारदात में इस्तेमाल स्कूटी नजफगढ़ के पास मिली। स्कूटी के पास ही पुलिस की टीम रुकी रही। कुछ देर बात जैसे ही स्कूटी लेने लेने दो बदमाश आए, टीम ने तुरंत पकड़ लिया। जिसकी पहचान संजय उर्फ राजेश और शैलेंदर उर्फ सुरेंदर के रूप में हुई। पूछताछ करने पर, दोनों आरोपितों ने सोने की चेन छीनने की बात स्वीकार की। आरोपितों की निशानदेही पर सुनार कृष्ण कन्हैया को भी पकड़ लिया। जिसके पास से छीनी गई सोने की चेन बरामद की गई। सुनार ने यह चेन आरोपितों से खरीदी थी।

इजरायली पर्यटक रेप मामले में 02 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ रेप मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। यहां बताते चलें कि यह घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे तब हुई जबकि कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी के पास सनापुर झील आरोपियों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय होमस्टे संचालिका के साथ दुष्कर्म किया था। इस वारदात के दौरान आरोपियों ने महिलाओं के साथ तीन पुरुषों की जमकर पिटाई भी की थी। मारपीट के बाद आरोपियों ने एक युवक को तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया था, जिसका दो दिन बाद शव नहर से बरामद किया गया था। मृतक युवक ओडिशा का पर्यटक बताया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। इस मामले को गंगावती रूरल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। यहां हत्या की भी धाराएं जोड़ी गईं और जांच में मामले को लिया गया। पुलिस ने गहन जांच और छापामारी करते हुए दो आरोपियों मल्लेश उर्फ ??हांडी मल्ला (22 साल) और चेतन साई सिलेक्यातर (21 साल) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। दोनों ही आरोपी गंगावती के निवासी बताए गए हैं। एक अन्य संदिग्ध आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

कुकी संगठनों ने बुलाया अनिश्चितकालीन बंद, अतिरिक्त फोर्स तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट की शुरुआत के पहले ही दिन शनिवार को सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 40 लोग घायल हो गए। हिंसा के विरोध में कुकी-जो संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है। यहां रविवार सुबह कांगपोकपी जिले में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत बनी रही है। हालात पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की और गुलेल का भी इस्तेमाल किया। इस हिंसा में सुरक्षा बलों के 5 वाहनों के शीशे टूट गए।

झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत, कई घायल

झड़प के दौरान 16 प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। इसके बाद कुकी संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान कर दिया। प्रशासन हालात को नियंत्रित करने के लिए लगातार सुरक्षा समीक्षा कर रहा है। फिलहाल, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त फोर्स अलर्ट पर है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कठुआ में हुई हत्याओं के मामले में पारदर्शी जांच के आदेश दिये

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कठुआ जिले में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में रविवार को विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए। वरुण सिंह (15), उसके चाचा योगेश सिंह (32) और मामा दर्शन सिंह (40) के शव शनिवार को जिले के मल्हार इलाके में ईशू नाले से बरामद किए गए थे। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे।

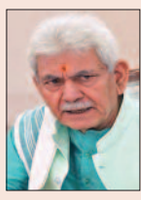

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि वह तीनों की नृशंस हत्या से स्तब्ध और दुखी हैं। सिन्हा ने कहा, ''मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। न्याय होगा और जवाबदेही तय की जाएगी।'' उन्होंने मृतकों के परिजनों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

गैस पाइपलाइन लीकेज से लगी भीषण आग, कार-रिक्शा और बाइक जल कर राख

मुंबई (एजेंसी)। मरोल इलाके से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गैस पाइपलाइन में लीकेज के कारण आग लग गई। इस आग में एक कार, रिक्शा और बाइक जलकर राख हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया। मामले में जानकारी देते हुए डीएफओ एसके सावंत ने बताया कि हमें रात करीब 12:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। यह घटना उस स्थान पर हुई, जहां बीएमसी का काम चल रहा था। हमें पहले सूचना मिली है कि तीन लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है।

राम मंदिर और कुंभ पर हमले का मंसूबा : एक गलती की वजह से धराया आतंकी अब्दुल

फरीदाबाद (एजेंसी)। पाली में बांस रोड से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान अपनी एक गलती के कारण धरा गया। वो गलती ये थी कि उसने सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी वीडियो शेयर कर दिया। इसके बाद वो गुजरात एटीएस की नजर पर चढ़ गया। उसने अपने किसी जानकार को विदेश से आए भड़काऊ और कट्टरपंथी वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। अब्दुल को अयोध्या के राम मंदिर और कुंभ में हमले के लिए तैयार किया गया था। सूत्रों की मानें तो आरोपी ने फरवरी माह में इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) द्वारा भेजे एक वीडियो को सोशल मीडिया पर किसी को शेयर किया था। वह वीडियो कट्टरपंथी था। सोशल मीडिया पर नजर रख रही एटीएस की टीम वीडियो की जानकारी मिलते ही सतर्क हो गई। इसके बाद टीम की ओर से जानकारी जुटाई गई तो अब्दुल रहमान का लोकेशन फरीदाबाद में मिला। इसके बाद 28 फरवरी को एटीएस गुजरात की टीम ने पलवल एसटीएफ को जानकारी दी और दो मार्च को दूसरी जानकारी पर अब्दुल रहमान को दो जिंदा हैंड ग्रेनेड और डोटेनेटर के साथ पाली के बांस रोड से गिरफ्तार किया गया।

गंगा की सफाई पर राज ठाकरे ने उठाए सवाल, पूछा- कौन जाकर उसमें पवित्र डुबकी लगाएगा?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा नदी की स्वच्छता और उसके पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने साफ कहा कि वे नदी में पवित्र डुबकी नहीं लगाएंगे। ठाकरे ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में की। उन्होंने लोगों से अंधविश्वास से बाहर आने और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करने की अपील की।

ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से पवित्र जल लेकर आए थे, लेकिन उन्होंने इसे पीने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'बाला नंदगांवकर मेरे लिए थोड़ा पानी लेकर आए थे, मैंने कहा, चले जाओ। मैं नहाने नहीं जा रहा हूं। वह पानी कौन पीएगा? कोविड अभी-अभी गुजरा है और लोग दो साल से चेहरे पर मास्क लगाकर घूम रहे थे। अब वे वहां जाकर स्नान कर रहे हैं। कौन जाकर उस गंगा में पवित्र डुबकी लगाएगा?'

इशारों-इशारों में ठाकरे ने यह भी कहा कि उन्होंने लोगों के शरीर को रगड़ते और गंगा में स्नान करते हुए वीडियो देखे हैं। उन्होंने कहा कि देश की हर नदी प्रदूषित है, जबकि विदेशों में ऐसी नदियां साल भर साफ रहती हैं। मनसे प्रमुख ने कहा, 'आस्था का भी कुछ मतलब होना चाहिए। देश में एक भी नदी साफ नहीं है, लेकिन हम उसे मां कहते हैं। विदेशों में नदी को मां नहीं कहा जाता, लेकिन वह पूरी तरह साफ रहती है और हमारी सभी नदियां प्रदूषित हैं। कोई उसमें नहा रहा है या कपड़े धो रहा है।'

मनसे प्रमुख ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से सुनते आ रहे हैं कि गंगा नदी साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों को इस आस्था और अंधविश्वास से बाहर आना चाहिए और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिए।'

ठाकरे की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब विपक्षी दल उत्तर प्रदेश सरकार की इस बात के लिए आलोचना कर रहे हैं कि कुंभ का पानी नहाने लायक नहीं है। हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज में संगम का पानी डुबकी लगाने और आचमन करने लायक है।

महिलाओं को पुरुषों के बराबर का हक मोदी सरकार में मिला : शाही

देवरिया। बीजेपी जिला कार्यालय पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इस देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार मोदी सरकार में मिला है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी पीएम के साथ खड़ी है। महिला दिवस सिर्फ एक दिवस नहीं है। कभी घर में चूल्हा चौका करने वाली महिलाएं अब चांद पर जा रही हैं। बेटियों को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए और समाज को एक दिशा देनी चाहिए। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि इस सृष्टि में महिलाओं से ऊपर कोई नहीं। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि आज का दिन महिलाओं की क्रांति का दिन है। संयोजक राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि महिलाओं से ही सृष्टि की रचना हुई है। कार्यक्रम को जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि, बरहज नगर पालिका अध्यक्ष स्वेता जायसवाल, रुद्रपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम, बैतालपुर चेयरमैन सरिता पासवान, महिला मोर्चा कि अध्यक्ष भारती शर्मा अर्चना पांडे ने सम्बोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह व संचालन अभिषेक राय ने की। इस दौरान निर्मला, रमेश वर्मा, अकुर राय, अजय पांडेय, राजेश निषाद, दिनेश शुक्ल, मन्ना सिंह, संतोष मिश्रा, गोविन्द चौरसिया, श्याम जयसवाल, दीपक श्रीवास्तव, बृजेन्द्र कुशवाहा आदि मौजूद थे।

यूट्यूब की सख्ती: तीन महीने में 95 लाख से ज्यादा वीडियो किए डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूब ने अपनी सख्त कंटेंट नीतियों के तहत कार्रवाई करते हुए अक्टूबर से दिसंबर यानी तीन महीने के बीच लगभग 9.5 मिलियन वीडियो अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिए। यूट्यूब, जो कि सख्त कंटेंट पॉलिसी के लिए जाना जाता है। हेट स्पीच, हिंसा और गलत जानकारी फैलाने वाले वीडियो पर प्रतिबंध लगाया है। दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यूट्यूब एआई-पावर्ड डिटेक्शन सिस्टम और ह्यूमन मॉडरेटर्स का उपयोग करता है, जिससे हानिकारक सामग्री को बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने से पहले ही हटा दिया जाता है।

यूट्यूब ने यह कार्रवाई अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस के उल्लंघन के कारण की हैं। इन हटाए गए वीडियो अब भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है। जहां से लगभग 3 मिलियन वीडियो डिलीट किए गए। यूट्यूब ने 2023 की आखिरी तिमाही में 95 लाख से ज्यादा वीडियो डिलीट किए हैं। इनमें सबसे ज्यादा वीडियो भारत से हटाए गए हैं। यूट्यूब द्वारा हटाए गए वीडियो में सबसे बड़ी संख्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े उल्लंघनों की थी। आंकड़ों के अनुसार, 5 मिलियन से अधिक वीडियो ऐसे थे जो बच्चों के लिए हानिकारक माने गए। इसके अलावा, अन्य प्रमुख कारण जिनकी वजह से वीडियो हटाए गए, उनमें हानिकारक या खतरनाक कंटेंट, उत्पीड़न, हिंसक सामग्री, स्पैम और भ्रामक जानकारी, फर्जी चैनलों और कमेंट्स को हटाना शामिल हैं। यूट्यूब ने केवल वीडियो ही नहीं, बल्कि 4.8 मिलियन चैनल भी डिलीट किए। इनमें ज्यादातर चैनल स्पैम और धोखाधड़ी फैलाने के लिए बनाए गए थे। जब किसी चैनल को हटाया जाता है। तो उसके सभी वीडियो भी प्लेटफॉर्म से गायब हो जाते हैं। इस बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के तहत 54 मिलियन (5.4 करोड़) से अधिक वीडियो यूट्यूब से हटा दिए गए। यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म से 1.2 बिलियन कमेंट्स हटाए, जिनमें से ज्यादातर स्पैम थे। कुछ कमेंट्स उत्पीड़न, हेट स्पीच (घृणास्पद भाषा) या धमकियों के कारण डिलीट किए गए। यूट्यूब लगातार अपने कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम को सुधार रहा है ताकि अनुचित और भ्रामक सामग्री प्लेटफॉर्म पर न फैले।

सिर्फ कांग्रेस में नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी हैं बी टीम, राहुल के बयान पर बोले संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा गुजरात में दिए गए बी-टीम वाले बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ए टीम और बी टीम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि बाकी पार्टियों में भी होती हैं।

संजय राउत ने कहा, कि जो लोग पार्टी में बैठकर अंदरखाने बीजेपी से मिले रहते हैं, वे सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी मौजूद हैं। अगर राहुल गांधी ने ऐसे लोगों को बाहर करने का फैसला लिया है, तो मैं इसका स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग पार्टी में रहते हुए चुपचाप गद्दारी करते हैं, जिन्हें नमक हराम कहा जाता है। उन्होंने शिवसेना का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे यहां एकनाथ शिंदे और उनके 40 लोग दो साल तक बीजेपी का एजेंडा चलाते रहे और फिर खुलेआम चले गए। उन्होंने कहा कि यह तो अच्छा ही हुआ, क्योंकि अब हम अपने ही घर में आजाद हो गए हैं। संजय राउत ने कहा कि पार्टी के भीतर रहकर धोखा देना उसी तरह है जैसे कोई देश में रहते हुए किसी विदेशी ताकत के लिए काम करता है। उन्होंने आरएसएस के प्रदीप कुरुलकर का उदाहरण दिया और कहा, कि जो डीआरडीओ में रहकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहा था, ऐसे लोग हर जगह होते हैं।

आखिर क्या कहा था राहुल गांधी ने

दरअसल शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद में राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा, मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं और मैं स्टेज से कहना चाहता हूं कि गुजरात को कांग्रेस पार्टी सही दिशा नहीं दिखा पा रही है। उन्होंने कांग्रेस के भीतर दो तरह के लोगों का जिक्र करते हुए कहा, पहले वो जो जनता के साथ खड़े हैं और जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वो जो जनता से कटे हुए हैं और जिनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा, जब तक इन दोनों समूहों को अलग नहीं किया जाता, तब तक गुजरात की जनता कांग्रेस पर विश्वास नहीं कर सकती। गुजरात की जनता विकल्प चाहती है, बी-टीम नहीं चाहती। हमारी जिम्मेदारी इन दो ग्रुप्स को छांटने की है। हमारे पास बब्बर शेर हैं, लेकिन उनके पीछे से चेन लगी हुई है। सब पीछे से बंधे हुए हैं।

राहुल गांधी के इस बयान पर कांग्रेस ही नहीं अन्य पार्टियों में भी राजनीतिक चर्चा आम हो गई है। संजय राउत ने उनके बयान और फैसले को सही बताया है और कहा कि यह कदम कांग्रेस और अन्य पार्टियों में स्वच्छ राजनीति को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोध को सत्ता समर्थन में बदला: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है।

नड्डा ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पिछले तीन लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के पक्ष में बढ़ते मत प्रतिशत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'अब मोदी ने सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। सत्ता समर्थक भावना का मतलब है कि लोग खुश हैं और चाहते हैं कि मोदी बार-बार जीतें।' नड्डा ने कहा, 'भाजपा को 2014 लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ वोट (31.30 प्रतिशत) मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 22 करोड़ (36.7 प्रतिशत) हो गये। पिछले लोकसभा चुनाव (2024) में यह आंकड़ा करीब 24 करोड़ वोट (37 प्रतिशत) था। लोग हर बार मोदी जी को अधिक मतों से आशीर्वाद दे रहे हैं।' भाजपा प्रमुख यहां स्वामी विवेकानंद मैदान में राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की तुलना में मोदी काल में कर हस्तांतरण में पांच गुना वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा, 'संप्रग सरकार के दौरान त्रिपुरा को कर के रूप में 9,000 करोड़ रुपये मिलते थे जो बढ़कर 46,500 करोड़ रुपये हो गए हैं। इसी तरह, अनुदान सहायता जो संप्रग सरकार के समय 31,000 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपये हो गई है।' नड्डा ने अगले दो वर्षों में त्रिपुरा के चार रेलवे स्टेशनों अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर और कुमारघाट के आधुनिकीकरण की भी घोषणा की। उन्होंने प्रशासन में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नीत सरकार की सराहना की। नड्डा ने कहा, 'त्रिपुरा ने डिजिटलीकरण को अपनाया है और 29 लाख सरकारी फाइलों का डिजिटलीकरण किया गया है।

महाराष्ट्र में जीबी सिंड्रोम के 225 मामले आए सामने, 12 की हुई मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलैन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का पहला मामला 9 जनवरी 2025 को सामने आया था। इसके बाद से अब तक 225 संदिग्ध मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 197 मामलों की जीबीएस के रूप में पुष्टि हुई है। 179 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 24 का अभी भी इलाज जारी है। इनमें से 15 मरीज वेंटिलेटर पर बताए गए हैं। अब तक इस बीमारी से कुल 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 6 की मौत का कारण जीबीएस की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य 6 मौतें संदिग्ध मानी जा रही हैं। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि ये सभी मामले मुख्य रूप से पुणे नगर निगम, पुणे निगम के ग्रामीण क्षेत्र, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ग्रामीण और अन्य जिलों से सामने आए हैं। प्रशासन ने अब तक 7262 पानी के नमूने केमिकल और बायोलॉजिकल परीक्षण के लिए लैब में भेजे हैं, जिनमें से 144 जल स्रोतों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों के 89,699 घरों में सर्वेक्षण किया, जिसमें पुणे नगर निगम क्षेत्र के 46,534, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के 29,209 और पुणे ग्रामीण क्षेत्र के 13,956 घर शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निजी क्लीनिकों को भी एडवाइजरी जारी की है। इसमें निजी क्लीनिकों से कहा गया है कि यदि कोई जीबीएस का मामला सामने आता है, तो तुरंत प्रशासन को सूचित किया जाए।

महंगे इलाज से मरीज परेशान

जीबीएस को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसमें यह भी बताया गया है कि इसका इलाज महंगा है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों को आमतौर पर इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन की जरूरत होती है, जिसकी एक खुराक की कीमत लगभग 20 हजार रुपये बताई जाती है। ऐसे में इलाज का खर्च लाखों में चला जाता है, जो सबसे बड़ी परेशानी का सबब है।

डॉक्टरों का कहना है कि जीबीएस से प्रभावित 80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से छुट्टी के छह महीने के भीतर बिना किसी सहारे के चलने-फिरने लगते हैं। हालांकि, कुछ गंभीर मामलों में मरीज को पूरी तरह ठीक होने में एक साल या उससे अधिक समय लग सकता है।

सरकार की तैयारी और सतर्कता

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इनमें जल स्रोतों की सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जीबीएस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली नसों पर हमला करती है, जिससे कमजोरी और लकवे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, समय पर इलाज और सतर्कता बेहद जरूरी है।

600 करोड़ का खुलासा: दिल्ली-नोएडा में हुई छापेमारी के दौरान 50 करोड़ नगद और सोना भी मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनकुबेरों के यहां बेशुमार दौलत है। कई बार छापेमारी में अटूट दौलत का खुलासा हो चुका है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में काउंटी ग्रुप और उससे जुड़ी कंपनियों के ठिकानों पर शनिवार को देर रात तक चौथे दिन भी आयकर विभाग की जांच जारी रही। इस दौरान 50 करोड़ से अधिक की बरामदगी हो चुकी है, जिसमें कैश और सोना-चांदी शामिल है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, फ्लैटों की बिक्री में 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि नकद में लेने के पुख्ता सबूत मिले हैं।

आयकर विभाग के दिल्ली, नोएडा समेत अन्य स्थानों के अधिकारियों की टीम मामले में जांच कर रही है। काउंटी ग्रुप और उससे जुड़े लोगों के बैंक खाते, लैपटॉप से मिले रिकॉर्ड और अन्य कागजात जब्त किए गए हैं। विभाग के सूत्रों का कहना है कि तमाम बिल्डर फ्लैट की बड़ी रकम नगद में लेते हैं। वह आयकर की चोरी कर सरकार को करोड़ों का आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। काउंटी ग्रुप के एक फ्लैट की कीमत औसतन 20 से 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जो काफी अधिक है। जांच में कोलकाता में चार से पांच शेल कंपनियों का खुलासा हुआ है। टीमें दस्तावेज खंगाल रही है। इन कंपनियों के जरिए मोटी रकम को घुमाया गया। बरामद की गई दस करोड़ रुपये राशि में सबसे अधिक तीन करोड़ रुपये काउंटी ग्रुप के चैनल पार्टनर इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित अग्रवाल होम्स से बरामद हुए हैं। ज्यादातर रकम अलग-अलग स्थानों पर बनाई गई तिजोरियों में रखी गई थी। सूत्रों के अनुसार सोमवार तक जांच खत्म होने की संभावना है।

भारत में घुसे अवैध श्रीलंका के घुसपैठिए, कर्नाटक-तमिलनाडु में बसा रहे तस्कर

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों को श्रीलंका से भारत में घुसपैठ के सबूत मिले हैं। एजेंसियों ने मानव तस्करी करने वाले गिरोह के फोन कॉल इंटरसेप्ट कर गिरफ्तारी भी की है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और तमिलनाडु एटीएस की जांच में पता चला है कि पिछले छह महीने में तीन हजार से ज्यादा श्रीलंकाई अवैध रूप से भारत आए। श्रीलंका के लोगों को दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु में बसाया जा रहा है। मानव तस्करी रैकेट के सरगना से पूछताछ में पता चला कि कुछ मामलों में भारत को डंकी रूट बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के लोगों को फर्जी पहचान देकर कनाडा भेजा जा रहा है। मानव तस्करी के इस सिंडिकेट को श्रीलंका से इमरान हज्जियार चला रहा है। भारत में इस मानव तस्करी के गैंग के सरगना मोहम्मद इब्राहिम को 28 फरवरी को गिरफ्तार किया जा चुका है। श्रीलंका से तस्कर इन लोगों को मछुआरों की नावों में तमिलनाडु के थुथुकुड़ी के मंडपम लाते हैं। यहां कुछ दूर एक वेयर हाउस ले जाया जाता है।

जिस ब्रिटेन ने भारत पर राज किया आज वो उसी से मदद की गुहार लगा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी भारत पर राज करने वाला ब्रिटेन आज भारत की आर्थिक ताकत के सामने नतमस्तक होता दिख रहा है। दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक केंद्रों में शुमार लंदन अब अपनी तरक्की के लिए भारतीय निवेश, टैलेंट और नवाचार पर निर्भर होता जा रहा है। हाल ही में लंदन के मेयर सादिक खान ने 'ग्रोथ प्लान' नाम की एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया, जिसमें भारत को विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत बताया गया। लंदन ने इस ग्रोथ प्लान के तहत अगले दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को 107 अरब पाउंड बड़ा करने और सार्वजनिक सेवाओं के लिए 27 अरब पाउंड अतिरिक्त टैक्स जुटाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि इस सपने को हकीकत में बदलने में सबसे बड़ा योगदान भारतीय निवेश और कुशल पेशेवरों का होगा।

भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियां भी अब लंदन को अपना दूसरा घर बना रही हैं। भारत की प्रमुख आईटी कंपनी एमफेसिस ने हाल ही में लंदन में इनोवेशन हब स्थापित किया, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम किया जा रहा है। एमफेसिस के यूरोप प्रमुख आशीष देवलकर ने कहा, हमने लंदन में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई है और अब हमारी योजना यहां कार्यबल को दोगुना करने की है। ब्रिटेन, जिसने कभी भारत को एक उपनिवेश की तरह देखा था, आज भारतीय प्रतिभा, निवेश और नवाचार के बिना खुद को कमजोर महसूस कर रहा है। 2023-24 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 38,625 भारतीय छात्र लंदन में पढ़ाई कर रहे हैं, जो एक दशक पहले की तुलना में चार गुना अधिक है। लंदन हायर एजुकेशन नेटवर्क के अध्यक्ष मार्क हर्टलिन ने कहा, 'भारतीय छात्र अब लंदन में पढ़ने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों का 20 प्रतिशत हिस्सा बन चुके हैं। वे हमारे शहर के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं और दोनों देशों के बीच मजबूत पुल बना रहे हैं।

लंदन एंड पार्टनर्स की सीईओ लॉरा स्ट्रोन ने कहा, भारत से आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सबसे तेजी से बढ़ रहा है और पिछले दो वर्षों से यह हमारा नंबर एक स्रोत बना हुआ है। इसका सीधा मतलब है कि भारतीय टेक कंपनियां अब लंदन में अपनी जड़ें जमा रही हैं और इस शहर के आर्थिक पुनरुद्धार में अहम भूमिका निभा रही हैं। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों और पर्यटकों ने भी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में एक नया जोश भर दिया है। ब्रेक्सिट के बाद भारतीय छात्र बड़ी संख्या में लंदन की ओर रुख कर रहे हैं।

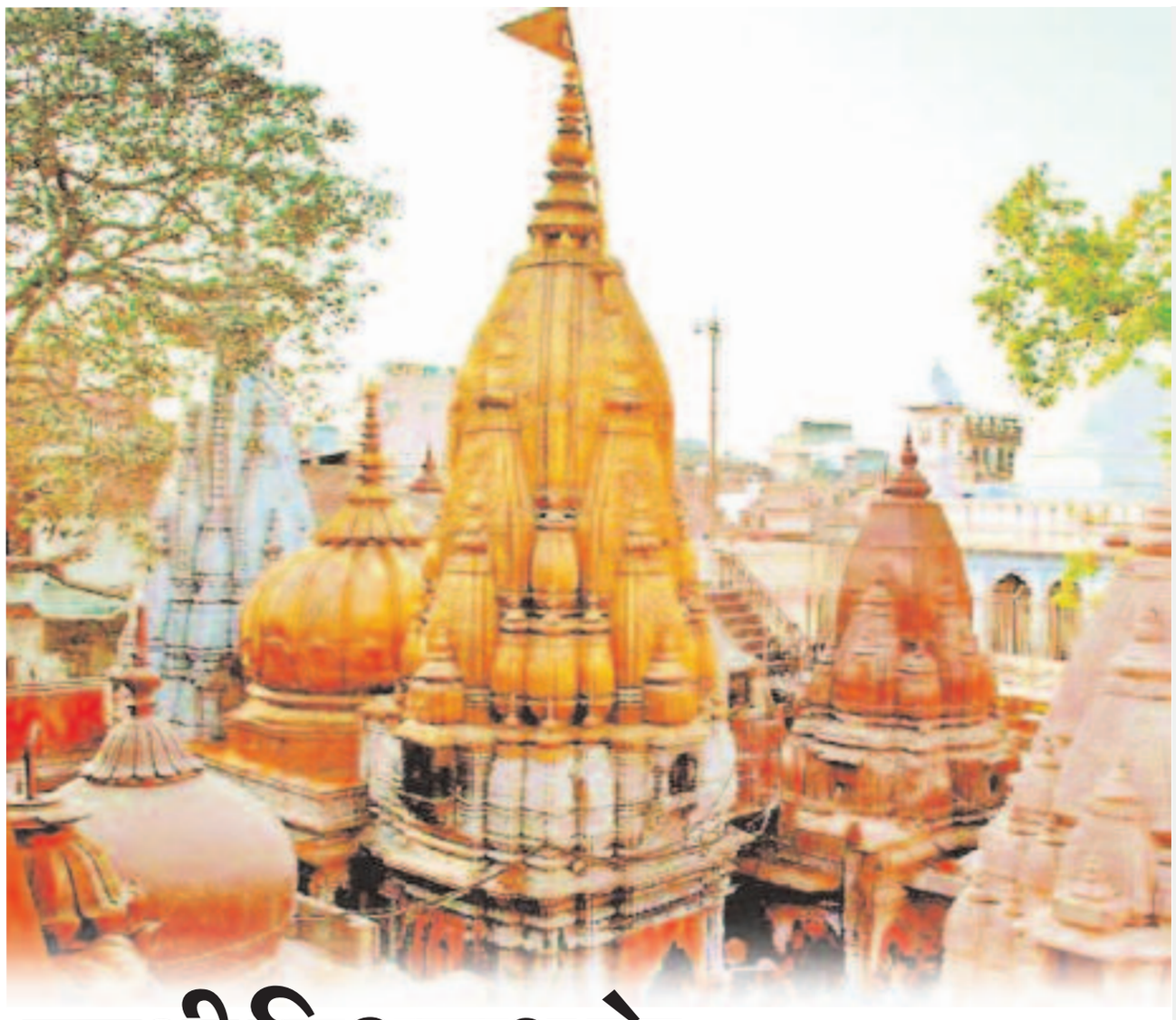

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यवथा की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

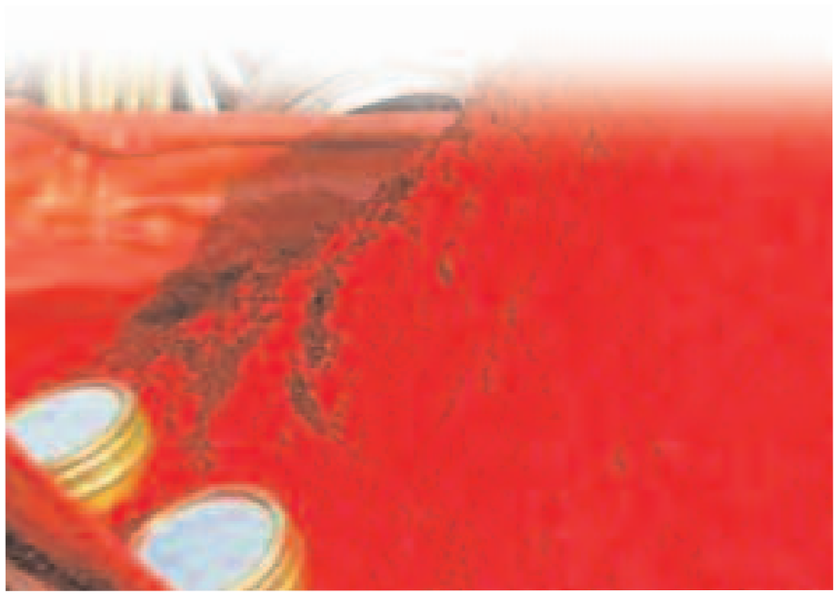

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

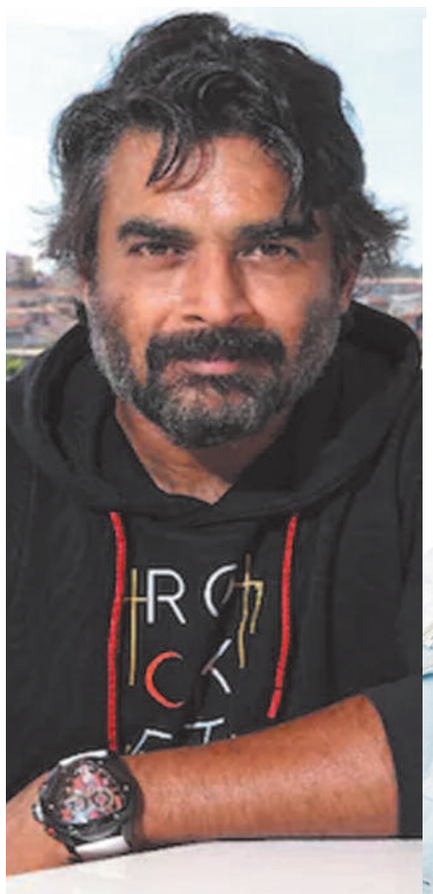

'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णाकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आज़मी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही था। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, फइस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70ब महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673